RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 210 , शनिवार, 12 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिहुली दोहरे हत्याकांड के बाद गरमाई सियासत, मृतकों के घर पहुंचे राजद नेता 03

मच्छरगांवा के दंगल में गूंजा पहलवानों का दम, दूर-दराज से पहुंचे पहलवान 04

बग बॉस 20 की माही विज कौन हैं? मॉडलिंग से टेलीविजन तक ऐसा ... 07

शराबकांड के मुख्य आरोपी को पैर में गोली मारकर पकड़ा

● पुलिस पर की 3 राउंड फायरिंग,31 मौतों के मामले में वॉन्टेड था

सागर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी रवि लखेरा को पकड़ लिया गया। बरायठा के जंगल में पुलिस और रवि के बीच फायरिंग हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। आरोपी रवि को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। इस पर 20 हजार का इनाम था। एसपी अनुराग सुजानिया ने पुष्टि की है। जहरीली शराब पीने से अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है। गुरुवार को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती 3 और

रवि लखेरा, मुख्य आरोपी

मरीजों ने दम तोड़ा था। हालांकि, प्रशासन 16 मौतों की ही पुष्टि कर रहा है। इससे पहले प्रशासन ने गुरुवार को 3 आरोपियों के 5 मकानों के अवैध हिस्सों पर बुलडोजर चलाया था। इनमें आरोपी मनीष लोधी, करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष चंद्रभान सिंह राजपूत और आशीष साहू के निर्माण शामिल हैं। वहीं, पुलिस ने अब तक 33 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें रवि लखेरा समेत 18 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। एक आरोपी की मौत हो चुकी है, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है। मामले में अभी 13 आरोपी फरार हैं।

पुलिस पर की 3 राउंड फायरिंग

एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया कि आरोपी रवि लखेरा की लोकेशन बरायठा के जंगल में यूपी बॉर्डर के पास खैवाहा गांव में मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो रवि अपने दो साथियों के साथ बाइक से भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी की तो रवि ने टीम पर तीन फायर किए, इनमें एक गोली पुलिस की गाड़ी में लगी। चेतावनी के बाद भी नहीं रुकने पर पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। एक गोली रवि के बाएं पैर में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके दोनों साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

ट्रक-बोलेरो भिड़े, 8 लोगों की मौत

जेसीबी-क्रेन से गाड़ी हटाई गई, रायपुर से नागपुर जाते वक्त हादसा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सड़क के पास हुआ। सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। इससे पहले गुरुवार को नांदेड जिले में नांदेड-भोकर रोड पर वैन और ट्रक की टक्कर हो गई थी। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस के मुताबिक हादसा शाम करीब 7 बजे सीताखंडी घाट के पास हुआ। टाटा मैजिक वैन नांदेड से भोकर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

संक्षिप्त समाचार

शुभेंदु अधिकारी ने मंदिर में बैठकर खाई मछली

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कालीघाट के मां काली मंदिर में बैठकर मछली खाई, जिससे ऐसा लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी बाबा बागेश्वर के दुर्गापूजा में नॉन-वेज न खाने वाले विवाद को खत्म करने की कोशिश कर

रही है। बाबा बागेश्वर के नाम से मशहूर धीरेंद्र शास्त्री ने दुर्गा पूजा के दौरान बंगालियों से दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहार छोड़ने की अपील की थी। वहीं धार्मिक मौकों पर मांस खाने वालों को ढोंगी बताया था। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ने ही बाबा बागेश्वर की इस बात को खारिज किया था, लेकिन ये विवाद थम नहीं रहा था। अब शुभेंदु अधिकारी कालीघाट पहुंचे और उन्होंने मंदिर में बैठकर मछली का भोग खाया।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ

गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपने अनुभव, सबूत और सुझाव ऑनलाइन साझा करने को कहा। राहुल ने यह बात छात्रों की गूंज के 8 दिन पहले की है। इसका आयोजन 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होगा। अब तक तक कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में 4 कार्यक्रम कर चुके हैं। इंदौर में कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और प्रशासन के बीच अनुमति का मुद्दा बना हुआ है।

ब्रिक्स समिट आज से, भारत कर रहा है शक्ति प्रदर्शन

● पेजेशकियान ने कहा,एकतरफा रवैये का मुकाबला करेंगे ● मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियां लगभग-लगभग पूरी हो चुकी है। ऐसे में अब दुनियाभर के नेताओं का आगमन भी लगातार चर्चा में है। इसी बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को भारत की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंच गए हैं। यहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। तेहरान से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ईरानी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स के मुख्य

उद्देश्यों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि इस संगठन का मुख्य उद्देश्य दुनिया में 'एकतरफावाद' का मुकाबला करना है।

भारत खरीद सकता है रडार में पकड़ न आने वाला विमान- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में द्विपक्षीय बैठक हुई, जो करीब 45 मिनट चली। बैठक से पहले मोदी ने पुतिन का गले लगाकर स्वागत किया और उन्हें किताब भेंट की।

● **पुतिन को भेंट की महाकाव्य 'तिरुक्कुरल' फिर समझाया जीवन का सार-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तमिल किताब तिरुक्कुरल भेंट की है। यह पुस्तक तमिल लेखक संत तिरुवल्लुवर ने लिखी है और पुतिन को इसका रूसी संस्करण दिया गया है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के भारत आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत के लिए भारत मंडपम पहुंचे तो पीएम मोदी ने उन्हें प्राचीन तमिल ग्रंथ तिरुक्कुरल रूसी अनुवाद सौंपा। तिरुक्कुरल तमिल संत, कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर ने लिखी है। करीब 2000 साल पुरानी इस तमिल किताब का रूसी अनुवाद नायरा मकर्चयन ने किया है।

ऊर्जा संकट के बावजूद मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था

आईएमएफ ने की तारीफ,कहा-दुनिया का ग्रोथ इंजन है भारत

अबकी जीडीपी ग्रोथ अनुमान से बेहतर 7.8 फीसदी तक रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ की है। साथ ही भारत को दुनिया का ग्रोथ इंजन भी बताया है। भारत की अर्थव्यवस्था ने ऊर्जा संकट और वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपनी तेज रफ्तार बरकरार रखी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में देश की रियल जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी दर्ज की गई है। आईएमएफ ने भारत के इस बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत सर्विसेज सेक्टर और बेहतर एक्सपोर्ट के दम पर यह ग्रोथ उम्मीद से काफी बेहतर रही है। आईएमएफ की प्रवक्ता जूली कोजाक ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की 7.8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ उनके अनुमान और मार्केट एक्सपर्ट्स की उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि सर्विसेज और एक्सपोर्ट में बेहतर प्रदर्शन ने इस ग्रोथ को रफ्तार

दी है। जूली कोजाक के मुताबिक, यह प्रदर्शन दिखाता है कि एनर्जी प्राइस शॉक के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह मजबूत है और भारत दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन बना हुआ है।

पहली तिमाही का यह 7.8 फीसदी का आंकड़ा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 7 फीसदी के पिछले अनुमान से भी ज्यादा रहा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस तिमाही में जीडीपी बढ़ी है।

ब्रिक्स समिट को लेकर कांग्रेस में मचा घमासान

पूर्व वित्तमंत्री चिदंबरम ने पूछा-ब्रिक्स से देश को क्या मिला

थरूर बोले-11 देशों को एक मंच पर लाना भारत की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ब्रिक्स समिट को लेकर कांग्रेस के दो सीनियर नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने पूछा था, 'इस ब्रिक्स से भारत को क्या फायदा हुआ।' देश में 2012, 2016 और 2021 में भी समिट हो चुके हैं। उधर, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने समिट के फायदे बताए।

उन्होंने कहा कि भारत में सम्मेलन होना देश की कूटनीतिक ताकत को दिखाता है। 11 देशों के बड़े नेताओं का भारत आना और उन्हें एक मंच पर लाना भारत की दूसरे देशों को साथ लाने की क्षमता को दर्शाता है।

चिदंबरम ने कहा था- इन संगठनों की सदस्यता पर विचार हो- चिदंबरम ने बुधवार को सवाल किया था कि भारत ब्रिक्स के अलावा जी 20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे कई बहुपक्षीय संगठनों का हिस्सा है, लेकिन इन संगठनों से देश को वास्तव में क्या ठोस लाभ मिला है, इस पर विचार होना चाहिए। थरूर ने शनिवार को ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया।

ब्रिक्स में पुतिन का अमेरिका-यूरोप पर तंज, कमजोर देश खुद को जी7 क्यों कहते हैं

पीएम मोदी बोले- ब्रिक्स देशों में दुनिया की 40 प्रतिशत जीडीपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स बिजनेस फोरम में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जी7 पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि समझ नहीं आता कि जी7 को 'ग्रुप ऑफ सेवन' क्यों कहा जाता है। पुतिन ने कहा कि पिछले 5 साल में दुनिया की 40 प्रतिशत से ज्यादा जीडीपी ब्रिक्स देशों से आई है, जबकि जी7 की हिस्सेदारी सिर्फ 29 प्रतिशत रही। दुनिया की आर्थिक ग्रोथ में भी इसकी हिस्सेदारी आधे से ज्यादा रही, जबकि जी7 का योगदान सिर्फ 18 प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा कि इसकी बड़ी वजह ब्रिक्स देशों की आधी से ज्यादा आबादी और उनके तेजी से बढ़ते घरेलू बाजार हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने भी फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये देश दुनिया की 40 प्रतिशत जीडीपी और 25 प्रतिशत से ज्यादा ग्लोबल ट्रेड में हिस्सा रखते हैं।

तमिलनाडु के मंदिरों में अब लागू होगी नई व्यवस्था

● मंदिरों के प्रसाद की क्वालिटी और कीमत होगी तय ● थलपति विजय की सरकार ने ले लिया बड़ा फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मंदिरों में मिलने वाले प्रसाद की गुणवत्ता, मात्रा और कीमत को लेकर थलपति विजय की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।। प्रसाद को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने 10 तरह के आम प्रसाद के लिए एक मास्टर स्कीम तैयार की है। इसके तहत पूरे राज्य में भक्तों को तय मानक के अनुसार प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा। नई व्यवस्था में प्रसाद की रेसिपी, सामग्री का अनुपात, मात्रा, बैच साइज, कीमत और पैकेजिंग का मानक तय किया जाएगा। मंदिरों को प्रसाद परिसर में ही तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग के मुताबिक,

प्रसाद की गुणवत्ता और बनाने की प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिए इसे बाहर से बनवाने की व्यवस्था को हतोत्साहित किया जाएगा। विभाग कमिश्नर टीजी विनय के सर्कुलर के मुताबिक, प्रसाद तैयार करने में आविन घी और कोऑपरेटिव स्टोर की दरों पर खरीदी गई सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। प्रसाद की कीमत कच्चे माल, एलपीजी, श्रम और पैकेजिंग की लागत को ध्यान में रखकर तय की जाएगी। इसके तहत 50 ग्राम लड्डू की बिक्री कीमत 20 रुपये तय की गई है। इसे तैयार करने की लागत करीब 13 रुपये बताई गई है।

पैकेजिंग पर देनी होगी पूरी जानकारी

प्रसाद की पैकेजिंग को लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) रूल्स, 2011 के नियम 27 के अनुरूप रखना होगा। पैकेट पर निर्माता या आयातक का नाम-पता, उत्पाद का सामान्य नाम, कुल मात्रा, निर्माण या पैकिंग की तारीख, एमआरपी, यूनिट बिक्री मूल्य और शिकायत के लिए ग्राहक संपर्क की जानकारी दर्ज करनी होगी। बता दें कि कई मंदिरों में प्रसाद बनाने और बेचने का काम बाहरी एजेंसियों को दिया जाता है। ऐसे में इसकी तैयारी और गुणवत्ता पर विभाग का सीधा नियंत्रण नहीं रहता। नई व्यवस्था का उद्देश्य प्रसाद की गुणवत्ता और बिक्री प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना है। हालांकि, जिन मंदिरों में पारंपरिक रेसिपी के अनुसार प्रसाद तैयार किया जाता है या 10 तय वस्तुओं से अलग प्रसाद दिया जाता है, वे अलग से लागत प्रस्ताव जमा कर सकेंगे। ऐसे प्रस्ताव संयुक्त आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त या आयुक्त के पास भेजे जा सकेंगे।

जासूसी कांड के बाद पाकिस्तान यात्रा के बदले नियम

प्राइवेट टूर पर लगी रोक, वीजा अप्लाई की शर्तें भी बदलीं

हिसार (एजेंसी)। केंद्र और हरियाणा सरकार ने भारत-पाकिस्तान धार्मिक यात्राओं के नियम बदल दिए हैं। यह फैसला ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आए पाक जासूसी नेटवर्क और हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा केस के बाद लिया गया है। जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और वहां के प्राइवेट टूर ऑपरेटर धार्मिक यात्रा के नाम पर भारतीय नागरिकों को स्पॉन्सर करते हैं, ताकि उनसे जासूसी करा सकें।

इसे देखते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान से चलने वाले सभी प्रकार के प्राइवेट स्पॉन्सर्ड टूर पर पाबंदी लगा दी है। वीजा की शर्तें भी बदल दी गई हैं। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के टूरिज्म इंचार्ज हरकीरत सिंह ने भी इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि ज्योति मल्होत्रा जैसे जासूसी केस मिलने के बाद से प्राइवेट स्पॉन्सर टूर बंद कर दिए गए हैं। पहले पाकिस्तान जाने वाले लोग वहां की एजेंसी से संपर्क कर टूर प्रोग्राम अरेंज करते थे। फिर यहां से वहां जाकर धार्मिक टूर करते थे। भारत और

पाकिस्तान के बीच धार्मिक यात्राएं दोनों माध्यमों (इंडिविजुअल और जत्थे) से होती हैं। अधिकांश श्रद्धालु प्रोटोकॉल 1974' के तहत जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

तेजप्रताप के करीबी अविनाश यादव की पिटाई का वीडियो वायरल, 4-5 लोग बेरहमी से पीटते दिखे

हाजीपुर। तेजप्रताप यादव के करीबी वैशाली जिला निवासी अविनाश यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चार-पांच लोग अविनाश यादव को बेरहमी से पीटते दिख रहे हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि मारपीट के दौरान तेजप्रताप यादव के तत्कालीन पीए मोतीलाल नेहरू भी वहां मौजूद थे। इससे पहले अविनाश यादव ने खुद सामने आकर अपने साथ मारपीट का आरोप लगाया था। अविनाश ने तब तेजप्रताप यादव पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि तेजप्रताप के कहने पर ही उनके साथ मारपीट की गई थी। बाद में यह मामला तब और बढ़ गया, जब अविनाश यादव और तेजप्रताप यादव का एक दूसरा वीडियो सोशल मीडिया पर आया। इस वीडियो में दोनों एक-दूसरे के काफी करीब और सहज दिख रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद पूरे मामले पर कई सवाल उठने लगे थे। अब मारपीट का यह नया

वायरल वीडियो इस विवाद को फिर से चर्चा में ले आया है। हालांकि, यह वीडियो कब का है, इसमें दिख रहे सभी लोगों की पहचान क्या है और मारपीट की असली वजह क्या थी, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर अविनाश यादव के पहले के आरोप सही थे, तो बाद में तेजप्रताप यादव से उनकी इतनी नजदीकी कैसे हो गई? वहीं, अगर आरोप गलत थे, तो वायरल वीडियो में दिख रही मारपीट की वजह क्या थी? फिलहाल सोशल मीडिया पर वीडियो को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। अब इस पूरे मामले पर तेजप्रताप यादव और अविनाश यादव के आधिकारिक बयान का इंतजार है।

बाढ़ प्रभावित इलाके में एसडीआरएफ की नाव खराब हुई, हवा निकलने से तेजस्वी प्राइवेट नाव पर बैठे

हाजीपुर। तेजस्वी यादव गुरुवार को अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर के तेरसिया के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने हाजीपुर पहुंचे। प्रशासन ने उन्हें महात्मा गांधी सेतु के पाया नंबर-1 से SDRF की नाव से बाढ़ प्रभावित इलाके में भेजा। नाव कुछ दूर नदी में आगे बढ़ी ही थी कि अचानक उसकी हवा निकलने लगी। SDRF के जवान नाव में हवा भरने की कोशिश करते रहे, लेकिन हवा तुरंत निकल जा रही थी। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव को एक निजी नाव पर बैठाया। उन्होंने निजी नाव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों के बीच राहत सामग्री बांटी। मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने बताया कि नाव पुरानी थी और उसकी हवा निकल रही थी। उन्होंने इसे सरकार की व्यवस्था की हवा निकलने का संदेश बताया। उन्होंने कहा कि यह साजिश है या नहीं, इस पर वह कुछ नहीं कहेंगे। तेजस्वी ने सवाल उठाया कि नेता प्रतिपक्ष के लिए सरकार की ओर से दी गई नाव की ऐसी स्थिति कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि जब सरकार की नाव बीच नदी में खराब हो रही है, तो आम जनता की स्थिति क्या होगी। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को खाना और नाव तक नहीं मिल रही है, जिससे वे परेशान हैं।

पटना में ट्रक चालक से 45 हजार की लूट, पुलिस ने 4 घंटे में लूटी रकम बरामद की, 4 आरोपियों को पकड़ा

पटना। पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक ट्रक चालक से मारपीट कर 45 हजार रुपये लूट लिए गए। पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए महज चार घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए 45 हजार रुपये और वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो गाड़ी भी बरामद कर ली है। ट्रक चालक कर्मवीर कुमार (30) ने पुलिस को बताया कि वह अपने सहचालक नीतीश कुमार के साथ दरभंगा से नौबतपुर के रास्ते सिंघोरी जा रहा था। नकटी भवानी के पास स्कॉर्पियो सवार चार लोगों ने उनके ट्रक को रोक लिया। आरोपियों ने कर्मवीर

के साथ मारपीट की और उनके पास से 45 हजार रुपये लूटकर स्कॉर्पियो से फरार हो गए। लूट के बाद ट्रक चालक ने जानीपुर थाने को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए एक खास टीम बनाई। पुलिस टीम ने तकनीकी मदद से आरोपियों की पहचान की और लगातार छापेमारी कर चारों को गिरफ्तार कर लिया। फुलवारी शरीफ के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 उमेश्वर चौधरी ने बताया कि पुलिस की तेजी से कार्रवाई के कारण घटना के चार घंटे के भीतर ही चारों आरोपियों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान संतोष कुमार, मोहम्मद तंजीम अशरफ, सुधीर कुमार और दिनेश राय के रूप में हुई है। ये सभी पटना के पिपलावां के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए पूरे 45 हजार रुपये बरामद कर लिए हैं। वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त कर ली गई है।

ईशान किशन ने वैभव सूर्यवंशी को बताया 'फ्यूचर कैप्टन'

पटना। दलीप ट्रॉफी 2026 का खिताब जीतने के बाद ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन और उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी की शानदार बॉन्डिंग का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में ईशान ने 15 वर्षीय वैभव को 'फ्यूचर कैप्टन' बताते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। ईशान ने मजाकिया अंदाज में कहा कि पूरे टूर्नामेंट में DRS का सारा क्रेडिट ये लड़का ले गया। सोशल मीडिया पर रिव्यू का पूरा क्रेडिट वैभव को मिलने लगा। ईशान ने कहा, "जब मैं डीआरएस लेने वाला होता था, वैभव हमेशा सही जगह पर मौजूद रहता था। मैं पहले ही रिव्यू लेने का फैसला कर चुका होता था, लेकिन वह कैमरे के सामने आकर कहता था कि रिव्यू लेना चाहिए। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि वैभव ने रिव्यू लिया है।" इस पर वैभव ने तुरंत चुटकी लेते हुए पूछा, "जब आप मैदान से बाहर गए थे, तब रिव्यू कौन ले रहा था? यह भी बता दीजिए।" वैभव के इस सवाल पर ईशान ने हंसते हुए स्वीकार किया कि जब वह मैदान से बाहर थे, तब रिव्यू लेने का फैसला वास्तव में वैभव ही कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने कहा, "हां, वह वैभव ही था, फ्यूचर कैप्टन।"

चलती ट्रेन में महिला स्वास्थ्यकर्मी की सोने की चेन झपटा

पटना। फुलवारी शरीफ स्टेशन से आगे एफसीआई गोदाम के पास पैसेंजर ट्रेन की रफ्तार धीमी होते ही एक युवक महिला स्वास्थ्यकर्मी के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गया। चेन की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी चेन झपटने के बाद ट्रेन से कूदकर भाग गया। पीड़िता की पहचान मीना देवी के रूप में हुई है। वह सदिसोपुर सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मी हैं। रोजाना पटना से पैसेंजर ट्रेन से सदिसोपुर ड्यूटी के लिए जाती हैं। घटना गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे की है। मीना देवी पटना स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन में सवार होकर सदिसोपुर जा रही थीं। ट्रेन फुलवारी शरीफ स्टेशन पार कर दानापुर की ओर बढ़ रही थी। एफसीआई गोदाम के पास पहुंचते ही ट्रेन की रफ्तार काफी धीमी हो गई। इसी दौरान उनके बगल में खड़े युवक ने अचानक उनके गले से सोने की चेन झपट ली। इसके बाद आरोपी ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। अचानक हुई घटना से मीना देवी घबरा गईं। जब तक वह कुछ समझ पातीं, ट्रेन आगे निकल चुकी थी। इस वजह से आरोपी को मौके पर पकड़ा नहीं जा सका।

मीना देवी ने ड्यूटी में व्यस्त रहने के कारण घटना के अगले दिन दानापुर GRP थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि आरोपी युवक उनके पास ही खड़ा था और ट्रेन धीमी होते ही चेन झपटकर कूद गया। दानापुर GRP थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया, 'शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जा सके।'

सरकारी बैंक कर्मचारी देशव्यापी हड़ताल पर

एजेंसी, पटना

अपनी लंबित मांगों को लेकर देशभर के सरकारी बैंक कर्मचारी आज एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के बैनर तले बैंक कर्मचारियों द्वारा बैंक बंद किया गया है। हड़ताल के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सामान्य बैंकिंग कामकाज प्रभावित रहेगा। कर्मचारियों का कहना है कि 5-डे बैंकिंग लागू करने का फैसला करीब दो साल से लंबित है, इसके बावजूद केंद्र सरकार की ओर से अब तक अंतिम अधिसूचना जारी नहीं की गई है। बैंक यूनियनों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया गया तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा। यूनियनों के मुताबिक, 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल प्रस्तावित है। इसके बाद भी मांगें नहीं मानी गईं तो 26 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन बैंक हड़ताल शुरू की जाएगी।

5-डे बैंकिंग सबसे बड़ी मांग, हर शनिवार-रविवार छुट्टी की मांग: बैंक कर्मचारियों की सबसे प्रमुख मांग सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की है। अभी बैंकों में दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है, जबकि पहले और तीसरे शनिवार को बैंक खुले रहते हैं। यूनियनों का कहना है कि बैंकिंग क्षेत्र में भी सप्ताह में पांच दिन काम और शनिवार-रविवार अवकाश की व्यवस्था लागू होनी चाहिए। कर्मचारियों का तर्क है कि जब केंद्र सरकार के कई विभागों और कॉर्पोरेट क्षेत्र में सप्ताह में पांच दिन काम की व्यवस्था लागू है, तो बैंक कर्मचारियों को भी यह सुविधा मिलनी चाहिए। यूनियनों का कहना है कि इससे कर्मचारियों को बेहतर कार्य-जीवन संतुलन मिलेगा और काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी।

आज कामकाज ठप, 5-डे बैंकिंग समेत मांगों को लेकर बंद रहेंगी शाखाएं, अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

मार्च 2024 में बनी थी सहमति, फिर भी नहीं हुआ फैसला: 5-डे बैंकिंग को लेकर विवाद की मुख्य वजह करीब दो साल से लंबित प्रक्रिया है। मार्च 2024 में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA) और बैंक यूनियनों के बीच 12वें द्विपक्षीय वेतन समझौते पर सहमति बनी थी। इसमें सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने के प्रस्ताव को भी शामिल किया गया था। IBA के स्तर पर सहमति बनने के बाद प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व

बैंक (RBI) के पास भेजा गया। इसके बावजूद अब तक इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। कर्मचारी इसी देरी को लेकर नाराज हैं।

दो साल से अधिसूचना का इंतजार: यूनियनों का कहना है कि जिस मांग पर दो साल पहले सहमति बन गई थी, उसे लागू करने में लगातार देरी की जा रही है। कर्मचारियों के अनुसार, समझौते के बाद उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही सरकार की ओर से अधिसूचना जारी होगी और सभी शनिवार को बैंक बंद रहने की व्यवस्था शुरू हो जाएगी। लेकिन लंबे समय तक कोई फैसला नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई।

PLI योजना का भी विरोध: बैंक कर्मचारी केवल 5-डे बैंकिंग को लेकर ही आंदोलन नहीं कर रहे हैं। यूनियनों ने परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजना को लेकर भी आपत्ति जताई है। कर्मचारियों का आरोप है कि इस व्यवस्था को उनकी पर्याप्त सहमति के बिना लागू किया जा रहा है। यूनियनों का कहना है कि कर्मचारियों के प्रदर्शन और प्रोत्साहन से जुड़ी व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए और ऐसे फैसलों में कर्मचारी संगठनों से उचित चर्चा की जानी चाहिए।

26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी: बैंक यूनियनों ने आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की घोषणा की है। पहले चरण में 11 सितंबर को एक दिन की देशव्यापी हड़ताल की जा रही है। इसके बाद 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय हड़ताल का कार्यक्रम है। यूनियनों ने यह समय भी महत्वपूर्ण चुना है, क्योंकि सितंबर के अंत में बैंकों की छमाही लेखा-बंदी की प्रक्रिया होती है। अगर इसके बाद भी सरकार की ओर से मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता है तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। यानी इस बार बैंक यूनियनों ने आंदोलन को लंबा खींचने की पूरी तैयारी कर ली है।

राजद ने जारी की एमएलसी चुनाव की कैंडिडेट्स लिस्ट

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन 2026 को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी की ओर से जारी सूची में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 6 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। वहीं, दो सीटों पर अभी विचार किया जा रहा है।

RJD की ओर से जारी सूची के अनुसार, पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजीव कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से दिलीप कुमार चुनाव लड़ेंगे। इसी तरह कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से नितेश कुमार और दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अनिल कुमार झा को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया गया है। पार्टी ने सारण शिक्षक

निर्वाचन क्षेत्र से प्रो. जयराम यादव और तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. रश्मि विनायक गौतम को उम्मीदवार बनाया है।

दो सीटों पर अभी फैसला बाकी: RJD की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि शेष दो सीटों पर विचार किया जा रहा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल के हस्ताक्षर से जारी पत्र में सभी घोषित प्रत्याशियों को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार बताया गया है।

बिहार में दारोगा आज सोशल मीडिया एक्स पर चलाएंगे आंदोलन, 7वें वेतनमान की मांग, 5 साल में प्रमोशन

एजेंसी, पटना

बिहार के दारोगा अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर आज सोशल मीडिया X पर आंदोलन करने की तैयारी में हैं। सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर आंदोलन से जुड़े मैसेज शेयर किए जा रहे हैं। दारोगाओं की मुख्य मांग है कि पे ग्रेड-6 को बढ़ाकर सचिवालय सहायक के बराबर पे ग्रेड-7 किया जाए। इसके अलावा 5 साल में प्रमोशन देने और प्रतिनियुक्ति 75 से 100 किलोमीटर के दायरे में करने की मांग शामिल है। दारोगा अपनी मांगों को लेकर सोशल मीडिया X पर अभियान चलाकर अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

एक ही परीक्षा से बहाली, फिर पे लेवल में अंतर क्यों?: आंदोलन से जुड़े लोगों का तर्क है कि एक ही BSSC स्नातक स्तरीय संयुक्त परीक्षा के विज्ञापन संख्या 07070114 के जरिए पुलिस अवर निरीक्षक (दारोगा/SI) और सचिवालय सहायक की बहाली हुई थी। इसके बावजूद दोनों के पे लेवल में अंतर रखा गया है। दारोगाओं के अनुसार, सचिवालय सहायक का पे लेवल 7 किया गया है, जबकि पुलिस अवर निरीक्षक का

पे लेवल 6 है। उनका कहना है कि दोनों पदों की बहाली एक ही स्नातक स्तरीय संयुक्त परीक्षा के जरिए हुई, इसलिए वेतनमान में अंतर को दूर किया जाना चाहिए।

4600 की जगह 4200 ग्रेड पे: दारोगाओं का वर्तमान वेतनमान 9300-34800 रुपए और 4200 ग्रेड पे है। वहीं, सचिवालय सहायक को 9300-34800 रुपए और 4600 ग्रेड पे मिलता है। दारोगाओं की प्रमुख मांग है कि उनके पे लेवल को 6 से बढ़ाकर 7 किया जाए और वेतनमान सचिवालय सहायक के बराबर किया जाए।

5 साल में प्रमोशन की भी मांग: वेतनमान के अलावा दारोगाओं की मांगों में 5 साल में

प्रतिनियुक्ति की दूरी भी तय करने की मांग

प्रमोशन देने की मांग भी शामिल है। उनका कहना है कि समय पर पदोन्नति मिलने से पुलिस विभाग में करियर प्रोग्रेशन और जिम्मेदारियों के अनुरूप पद मिल सकेगा। इसके साथ ही प्रतिनियुक्ति को 75 से 100 किलोमीटर के दायरे में सीमित करने की मांग की जा रही है।

ड्यूटी का समय तय, लेकिन काम का कोई तय समय नहीं: आंदोलन से जुड़े दारोगाओं का कहना है कि पुलिसकर्मियों के लिए ड्यूटी का समय निर्धारित होने के बावजूद वास्तविक रूप से काम का कोई निश्चित समय नहीं है। जरूरत के अनुसार उन्हें लंबे समय तक ड्यूटी करनी पड़ती है। दारोगाओं का यह भी कहना है कि प्रतिनियुक्ति का दायरा कई बार 100 किलोमीटर से अधिक हो जाता है और इसकी कोई स्पष्ट सीमा निर्धारित नहीं है। इसी वजह से प्रतिनियुक्ति के नियमों को स्पष्ट करने और दूरी की सीमा तय करने की मांग की जा रही है।

इनकम टैक्स की असिस्टेंड कमिश्नर दफ्तर में रिश्वत लेती गिरफ्तार, सीबीआई ने घूस लेते अरेस्ट किया

एजेंसी, पटना

पटना में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की असिस्टेंट कमिश्नर सुनंदा कुमार को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए CBI ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एक NGO को 12A और 80G प्रमाणपत्र जारी करने के बदले 75 हजार रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में हुई है। CBI ने विभाग की एक क्लर्क को भी पकड़ा है, जिसने रिश्वत लेने में अधिकारी की मदद की थी। CBI टीम ने कार्रवाई के दौरान रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली है। गिरफ्तारी के बाद जब CBI टीम सुनंदा कुमार को पूछताछ के लिए ले जा रही थी, तब वह अपना चेहरा छिपाती नजर आईं। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए CBI अपने साथ ले गई है। शुक्रवार यानी आज दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

12A और 80G प्रमाणपत्र के बदले मांगे 75 हजार रुपए: NGO प्रतिनिधि के मुताबिक, CBI की यह कार्रवाई श्रवण ज्योति विवेकानंद संस्थान' नाम के NGO की शिकायत पर हुई है। NGO के प्रतिनिधि ने फरवरी में आयकर विभाग में 12A और 80G प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया था। 9 जून को सुनवाई के दौरान असिस्टेंट

कमिश्नर सुनंदा ने पहले CA को भेजने को कहा। हमने CA को नहीं भेजा। इसके बाद 1 सितंबर की तारीख दूसरी सुनवाई की तारीख तय की। 1 सितंबर को तो हम आए तो उन्होंने डायरेक्ट हमसे पैसे की डिमांड की। बोलीं कि 75,000 हमको दे दीजिएगा और 10,000 स्टाफ को। उसके बाद हमने ये इसकी जानकारी CBI ऑफिस में दी।

महिला अधिकारी को ऐसे रंगे हाथ पकड़ा: संस्थान के प्रतिनिधि की शिकायत मिलने के बाद CBI की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) टीम ने आरोपों की जांच की। जांच में शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए एक योजना बनाई गई। पटना ACB की टीम ने DSP रुबी चौधरी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। NGO प्रतिनिधि ने बताया, सुबह फोन में उनका बयान लिया। हमने उनसे टाइम मांगा कि अकाउंट से पैसा निकालकर आ रहे हैं। जो रिकॉर्डिंग बयान है, उसमें उन्होंने पैसा लेना एक्सेप्ट किया।

2 घंटे पहले पैसे निकालकर हम सारी टीम के साथ आयकर गोलंबर स्थित आयकर कार्यालय आए। प्लानिंग के अनुसार हमने मैडम को पैसा दिए और पैसा देते हुए ही उन्हें अरेस्ट कर लिया गया है। 15,000 उन्होंने खुद लिए और 2500 स्टाफ के नाम पर लिए। बाकी पैसा उनको कल देना था। आरोप है कि महिला आयकर अधिकारी ने रिश्वत की रकम खुद नहीं ली। उसने विभागीय क्लर्क के माध्यम से यह रकम ली। जैसे ही पैसों का लेन-देन हुआ, वहां पहले से मौजूद CBI की टीम ने दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। NGO प्रतिनिधि का यह भी आरोप है कि सुनंदा सभी जिलों के NGO से घूस मांगती हैं। 12G सर्टिफिकेट के लिए सिर्फ उसने हमसे ही रिश्वत नहीं मांगी, इनसे बिहार की 38 जिलों के NGO परेशान हैं। इनका काम ही है हर NGO को 12-18G तभी देंगी, जब आप पैसे दीजिएगा। बिना पैसे के ये सर्टिफिकेट नहीं देती हैं। बिना मतलब डॉक्यूमेंट्स मांग रही हैं। जब हम पहले ही रजिस्टर्ड हैं।

गांधी मैदान गेट नंबर 10 के पास लगेगा लोक अदालत

एजेंसी, पटना

पटना में 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें 90 दिनों से अधिक समय से लंबित ई-चालान का निपटारा कराया जा सकेगा। वाहन चालकों को इस मौके पर अपने पुराने चालान का भुगतान करने और मामले को निपटाने की सुविधा मिलेगी। पटना यातायात पुलिस के अनुसार, पात्र मामलों में चालान पर 50 प्रतिशत तक की छूट भी मिल सकती है। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन गांधी मैदान के गेट नंबर-10 पर किया जाएगा। यहां सुबह 9 बजे से प्रक्रिया शुरू होगी। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे लंबित ई-चालान का निपटारा कराने के लिए समय पर पहुंचें।

यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की: लोक अदालत में आने वाले वाहन चालकों को कुछ जरूरी दस्तावेज अपने साथ लाने होंगे।

इनमें चालान की कॉपी, वाहन के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (RC) की कॉपी और ड्राइविंग लाइसेंस (DL) शामिल हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर चालान से संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने लंबित ई-चालान की जानकारी पहले से जांच लें और लोक अदालत में पहुंचकर इसका निपटारा कराएं। पुराने चालान को लेकर परेशानी से बचने के लिए यह एक उपयोगी अवसर है। अधिकारियों ने लोगों से आवश्यक दस्तावेज लेकर आने की अपील की है।

पटना जू में दिसंबर तक शुरू होंगे दो फूड कियोस्क

एजेंसी, पटना

पटना जू घूमने आने वाले दर्शकों के लिए अच्छी खबर है। इस साल के अंत तक जू परिसर में दो नए फूड कियोस्क शुरू किए जाने की संभावना है। इन कियोस्क पर स्नैक्स और रेडीमेड पैकेज्ड फूड के साथ पका हुआ खाना भी उपलब्ध कराया जाएगा। इससे दर्शकों को जू घूमने के दौरान ब्रेकफास्ट और लंच के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दोनों कियोस्क को अलग-अलग प्रवेश द्वारों के पास स्थापित करने की योजना है। पहला कियोस्क गेट नंबर एक और दूसरा गेट नंबर दो के पास बनाया जाएगा। इससे जू के अंदर घूम रहे दर्शकों को खाने-पीने के लिए झील के पास स्थित रेस्टोरेंट तक जाने की जरूरत नहीं होगी।

कियोस्क में सिर्फ शाकाहारी खाना मिलेगा: जू प्रबंधन के अनुसार, दोनों फूड कियोस्क में केवल

शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मांस, मछली, चिकेन और अंडे समेत किसी भी तरह के मांसाहारी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक रहेगी। कियोस्क में खाना तैयार करने के लिए इंडक्शन चूल्हे का ही इस्तेमाल किया जाएगा। कियोस्क के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया अगले महीने तक पूरी होने की संभावना है। इसके बाद चयनित वेंडर को काम आवंटित किया जाएगा। कियोस्क तैयार करने के लिए वेंडर को करीब एक महीने का समय दिया जाएगा। इसके बाद दिसंबर तक दोनों फूड कियोस्क शुरू किए जाने की संभावना है।

17 सितंबर की शाम हर घर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया'

एजेंसी, पटना

बिहार में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर आज मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सभी विभागों के प्रधान सचिव और सचिव मौजूद रहे, जबकि जिलों के डीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। मुख्य सचिव ने अभियान के सभी 13 प्रमुख कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और पिछले वर्षों में किए गए विकास कार्यों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाना है। इसके तहत स्कूलों, पंचायतों, आंगनवाड़ी केंद्रों, नगर निकायों और विधानसभा स्तर पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

17 सितंबर की शाम हर घर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया': अभियान की शुरुआत 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगी। इसके तहत राज्य के हर घर

में दीप जलाने की योजना है। इसके अलावा प्रत्येक जिले में कम से कम 10 प्रमुख और प्रतीकात्मक सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक दीप प्रज्वलन कराया जाएगा। लोगों तक दीया पहुंचाने की जिम्मेदारी जीविका, नगर निकायों और जन वितरण प्रणाली के माध्यम से पूरी की जाएगी।

स्कूलों में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता: 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 'सेवा चित्र' कार्यक्रम होगा। इसमें 'विकसित भारत संकल्प' विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। इसी दौरान स्कूलों में अभिभावक-शिक्षक बैठक यानी पीटीएम भी

स्कूलों में चित्रकला-भाषण प्रतियोगिता, पंचायतों में नुक्कड़ नाटक और युवाओं की निकलेगी पदयात्रा

आयोजित की जाएगी।

'सेवा स्मरण' कार्यक्रम के तहत पिछले 25 वर्षों में किए गए सेवा कार्यों और सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए 18 से 20 नाट्य टोलियां बनाई जाएंगी। ये टीमें स्कूल, कॉलेज और पंचायतों में नुक्कड़ नाटक करेंगी। 2 अक्टूबर को विशेष मंचन भी कराया जाएगा। इसके जरिए सरकारी योजनाओं और उनके प्रभाव की जानकारी आम लोगों को सरल तरीके से दी जाएगी। 25 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम होगा। प्रत्येक केंद्र पर तीन दिवसीय आयोजन किया जाएगा। इसमें आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा। लाभार्थी माताओं से संवाद होगा और बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियां कराई जाएंगी। साथ ही महिलाओं और परिवारों को पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

जिहुली दोहरे हत्याकांड के बाद गरमाई सियासत, मृतकों के घर पहुंचे राजद नेता

बीएनएम@ पताही

» तेजस्वी यादव ने वीडियो कॉल पर परिजनों से की बात, 50 लाख मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग

जिहुली पंचायत के जमुनी टोला में आपसी विवाद के दौरान हुए खूनी संघर्ष में दो लोगों की मौत के बाद अब राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है। शुक्रवार को राजद नेताओं का प्रतिनिधिमंडल मृतकों के घर पहुंचा और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। नेताओं ने परिजनों को हरसंभव सहयोग और न्याय की लड़ाई में साथ खड़े रहने का भरोसा दिया। इस दौरान राजद नेताओं ने मृतकों के परिजनों की वीडियो कॉल के जरिए बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से बातचीत कराई। तेजस्वी यादव ने परिजनों से घटना की जानकारी ली और दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिया। चिरैया के पूर्व विधायक लक्ष्मीनारायण यादव ने सरकार से दोनों मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने तथा प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। साथ ही घटना में शामिल आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। राजद नेताओं ने कहा कि दोहरे हत्याकांड की घटना गंभीर है। दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। राजद नेताओं ने परिजनों को भरोसा दिया कि न्याय की लड़ाई में पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। मृतकों के घर पहुंचने वालों में चिरैया के पूर्व विधायक लक्ष्मीनारायण यादव, कल्याणपुर के पूर्व विधायक मनोज यादव, पूर्व विधायक राजेंद्र राम सहित राजद के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल थे। नेताओं के पहुंचने पर मृतकों के परिजनों के साथ स्थानीय लोगों की भी भीड़ जुटी रही।

नगर विकास योजनाओं को लेकर मंत्री नीतीश मिश्रा से मिले विधायक प्रमोद कुमार

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर निगम की विकास योजनाओं समेत विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री नीतीश मिश्रा से मुलाकात की। शिष्टमंडल में उपमहापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद, निगम पार्षद संजू निषाद व प्रभात कुमार तथा पार्षद प्रतिनिधि रोचक झा और अजय सिंह शामिल थे। इस दौरान नगर निगम के सभी 46 वार्डों के लिए एक-एक प्रमुख योजना की सूची मंत्री को सौंपी गई। बताया गया कि इन योजनाओं की अनुशंसा विधायक प्रमोद कुमार, विधायक कृष्णनंदन पासवान और विधायक विशाल कुमार की ओर से की गई है। शिष्टमंडल ने राज्य योजना के तहत चल रही पुरानी योजनाओं को शीघ्र पूरा कराने तथा लंबित योजनाओं की बकाया राशि का भुगतान कराने का आग्रह किया। बैठक में व्यवसायियों को ट्रेड लाइसेंस के ब्याज में राहत देने और निगम के सभी वार्डों में एक-एक वार्ड कार्यालय खोलने का सुझाव भी दिया गया। वार्ड कार्यालय खुलने से स्थानीय स्तर पर ही आम लोगों की समस्याओं के समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि मोतिहारी सांसद राधामोहन सिंह और विधायक प्रमोद कुमार के क्षेत्र को यथासंभव अधिक से अधिक विकास योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने विकास कार्यों को लेकर हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। विधायक प्रमोद कुमार ने मंत्री को मोतिहारी आने का न्योता देते हुए नगर निगम क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं का निरीक्षण करने का आग्रह किया। मंत्री ने मोतिहारी आने और विकास योजनाओं का निरीक्षण करने पर सहमति जताई।

छह लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए छह लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक कथित शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान पानापुर रंजीत गांव निवासी गिरीश साहनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई की और गिरीश साहनी को छह लीटर देसी चुलाई शराब के साथ पकड़ लिया। शराब जब्त करने के बाद आरोपित के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। पूछताछ और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर आरोपित को छह लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कचरा पृथक्करण की शुरुआत घर से, स्वच्छता की ओर बढ़ा मोतिहारी

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर निगम मोतिहारी की ओर से स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण को लेकर शहर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने विभिन्न मोहल्लों में घर-घर पहुंचकर लोगों को गीला, सूखा और अन्य प्रकार के कचरे को अलग-अलग रखने तथा उसके उचित निस्तारण की जानकारी दी। नगर निगम की टीम ने गली-मोहल्लों में लोगों से संपर्क कर कचरा पृथक्करण के महत्व से अवगत कराया। नागरिकों को बताया गया कि घर से निकलने वाले कचरे को स्रोत पर ही अलग करने से उसके संग्रहण, प्रसंस्करण और निस्तारण की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और प्रभावी होती है। इससे पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। अभियान के दौरान नगर निगम की ओर से नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने घरों से निकलने वाले कचरे को निर्धारित श्रेणियों में अलग-अलग रखें और कचरा संग्रहण व्यवस्था में सहयोग करें। अधिकारियों ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नागरिकों की भागीदारी बेहद जरूरी है। नगर निगम का यह जागरूकता अभियान शहर के विभिन्न इलाकों में लगातार जारी रहेगा। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्रोत पर कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूक कर स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना है।

सामग्री का भुगतान हुआ, मजदूरों की मजदूरी अटकी

षष्टम वित्त आयोग की योजनाओं में भुगतान प्रक्रिया पर पंचायत समिति सदस्यों ने उठाए सवाल

बीएनएम@ तुरकौलिया

षष्टम वित्त आयोग के वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत कराए गए विकास कार्यों में मजदूरों की मजदूरी अटक गई है। योजनाओं का काम पूरा होने और सामग्री मद की राशि का भुगतान किए जाने के बावजूद श्रमिकों को मेहनताना नहीं मिलने से भुगतान प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। पंचायत समिति सदस्यों ने मामले को लेकर जिलाधिकारी और जिला पंचायती राज पदाधिकारी को आवेदन देकर जांच व मजदूरी भुगतान की मांग की है। पंचायत समिति सदस्यों के अनुसार, समिति की बैठक में षष्टम वित्त आयोग के तहत विभिन्न विकास योजनाओं को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद प्रखंड की अलग-अलग पंचायतों में योजनाओं का काम कराया गया। निर्माण कार्यों में बड़ी संख्या में स्थानीय मजदूरों ने श्रम किया। अधिकांश योजनाएं पूरी होने के बाद उनमें प्रयुक्त सामग्री की राशि का भुगतान भी कर दिया गया, लेकिन मजदूरी मद की राशि अब तक लंबित है। मजदूरी नहीं मिलने से श्रमिकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सदस्यों ने सवाल उठाया कि जब एक ही योजना में सामग्री की राशि का भुगतान किया जा चुका है तो मजदूरी मद का भुगतान क्यों रोका गया है। उन्होंने इसे भुगतान प्रक्रिया की गंभीर विसंगति बताते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। आवेदन में सदस्यों ने मजदूरी भुगतान में देरी के कारणों का पता लगाने के साथ संबंधित पदाधिकारी-कर्मियों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की है। साथ ही लंबित मजदूरी का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। आवेदन देने वालों में ईद महम्मद देवान, राजकिशोर सिंह, अशर्फी महतो, अमेरिका हाजरा, शाहिदा बेगम, गुड़िया देवी सहित अन्य पंचायत समिति सदस्य शामिल हैं।

नवविवाहिता की दहेज हत्या में फरार पति गिरफ्तार, पुलिस को देख भागा तो पीछा कर दबोचा

बीएनएम@ तुरकौलिया

जयसिंहपुर बेलघटी गांव में नवविवाहिता आशिया प्रवीण की संदिग्ध मौत के मामले में फरार चल रहे उसके पति सरवरे आलम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे परशुरामपुर चौक के आसपास से पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। 22 अगस्त को जयसिंहपुर बेलघटी गांव में आशिया प्रवीण की संदिग्ध स्थिति में मौत हुई थी। घटना के बाद उसके ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हो गए थे। मामले में मृतका के भाई रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बेला शेखटोली निवासी शहनवाज आलम के आवेदन पर तुरकौलिया थाने में पति सरवरे आलम समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के अनुसार, आशिया की शादी 15 जून को सरवरे आलम से हुई थी। शादी में करीब 30 लाख रुपये खर्च किए गए थे। आरोप है कि शादी के करीब 15 दिन बाद ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज में पांच लाख रुपये और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर आशिया को प्रताड़ित करने लगे। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने मिलकर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से आरोपी पति समेत अन्य आरोपित फरार चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी बीच थानाध्यक्ष रंजीत कुमार को सरवरे आलम के परशुरामपुर चौक के आसपास मौजूद होने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा, लेकिन जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि दहेज हत्या के मामले में फरार आरोपी पति सरवरे आलम को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले के अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

बंजरिया थानाध्यक्ष पर आखिर गिरी गाजः लगातार शिकायतों और बीएनएम की खबरों के बाद अमित कुमार सिंह लाइन हाजिर

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह को आखिरकार लाइन हाजिर कर दिया गया है। लंबे समय से उनके खिलाफ सामने आ रही शिकायतों, गंभीर आरोपों और लगातार उठ रहे सवालों के बीच मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात की इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बंजरिया थाना प्रभारी के खिलाफ अलग-अलग लोगों की ओर से कई गंभीर लिखित शिकायतें पहले ही दी जा चुकी थीं।

पूर्व बंजरिया प्रमुख जफर आजाद चमन, व्यवसाई शमशेर आलम, स्थानीय मुखिया सहित अन्य लोगों ने भी थाना प्रभारी की कार्यशैली को लेकर अधिकारियों से शिकायत की थी। इन मामलों में डीआईजी स्तर से जांच के निर्देश दिए जाने की बात भी सामने आई थी।

हाल ही में एक लड़की की शिकायत के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आया। लड़की ने थाना प्रभारी पर मिस बिहेवियर समेत कई गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने मामले की जांच एएसपी को सौंपते हुए कार्रवाई की दिशा में कदम बढ़ाया। अब इसी मामले में पीड़ित लड़की और अधिकारियों के बीच हुई बातचीत भी सामने आई है, जिसे लेकर कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ रहे हैं।

इस पूरे प्रकरण में बॉर्डर न्यूज मिरर लगातार सवाल उठाता रहा।

बॉर्डर न्यूज मिरर ने 25 जुलाई और 28 जुलाई को प्रकाशित खबरों के माध्यम से थाना प्रभारी के खिलाफ लगाए गए आरोपों, कथित रिश्वत के ऑडियो, जमीन विवादों और अन्य शिकायतों को प्रमुखता से उठाया था। साथ ही, इन शिकायतों और उपलब्ध तथ्यों से पुलिस के आला अधिकारियों तथा एसपी स्वर्ण प्रभात को लगातार अवगत कराया जाता रहा।

25 जुलाई की खबर के बाद एसपी के निर्देश पर प्रशिक्षु डीएसपी द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच किए जाने की बात सामने आई थी। वहीं 28 जुलाई की रिपोर्ट में भी जांच और कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए गए थे।

लगातार मिल रही शिकायतों और विभिन्न मामलों में चल रही जांच के बीच अब एसपी स्वर्ण प्रभात ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए अमित कुमार सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है।

यानी जिन शिकायतों और आरोपों को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे, उन्हीं के बीच हुई विभागीय कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि मामला पुलिस विभाग के लिए गंभीर था।

मिशन परिवार विकास अभियान को सफल बनाने को डीएम ने दिए निर्देश

बीएनएम@ समस्तीपुर

जिले में संचालित "मिशन परिवार विकास अभियान" पखवाड़ा के सफल आयोजन एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के तहत चलाए जा रहे दंपति संपर्क एवं सामुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा तथा परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा की तैयारियों और कार्ययोजना की विभागवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य पात्र दंपतियों तक परिवार नियोजन की सेवाओं, उपलब्ध साधनों और इससे जुड़े लाभों की जानकारी पहुंचाना है। इसके लिए जमीनी स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस, आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सेवाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर अधिक से अधिक पात्र दंपतियों को अभियान से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। बैठक में अभियान के दौरान लोगों तक सही एवं उपयोगी जानकारी पहुंचाने, सामुदायिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने तथा परिवार नियोजन सेवाओं की पहुंच को और प्रभावी बनाने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. राजीव कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस) सुनीता कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक साथ दो मौत से सनसनी, पेड़ से लटके मिले युवक-युवती; हत्या या आत्महत्या की गुत्थी में उलझी पुलिस

बीएनएम@ हरसिद्धि/मोतिहारी

थाना क्षेत्र के सोनबरसा गिरि टोला स्थित आम के बगीचे में शुक्रवार सुबह पेड़ से युवक-युवती के शव लटके मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान हरसिद्धि-पकड़िया गांव निवासी भूटन बैठा के 32 वर्षीय पुत्र भोला बैठा और मोहम्मद सनाउल्लाह की दूसरी पत्नी 30 वर्षीय सफीना खातून के रूप में हुई है। दोनों के शादीशुदा होने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने सुबह खेत की ओर जाते समय बगीचे में दोनों के शव पेड़ से लटके देखे। सूचना मिलते ही हरसिद्धि पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को नीचे उतरवाकर जांच शुरू की। पुलिस की प्रारंभिक जांच में दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग की बात सामने आई है। बताया गया कि सफीना गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे से लापता थी। उसका मोबाइल घर पर ही मिला था। परिजन देर रात तक उसकी तलाश करते रहे। घटना की जानकारी मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। भोला के एक पुत्र व तीन पुत्रियां हैं, जबकि सफीना के एक पुत्र और एक पुत्री हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर अरेराज डीएसपी कुमारी प्रियंका, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, दारोगा प्रीतम कुमार व दारोगा अंकित कुमार समेत पुलिस बल पहुंचा। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल की वैज्ञानिक तरीके से जांच की। अरेराज डीएसपी कुमारी प्रियंका ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक जांच के बाद ही मौत की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जनता के दरबार में 42 फरियादियों की सुनी गई शिकायतें

एडीएम ने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई कर समस्याओं के निष्पादन का दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 42 आवेदकों की समस्याओं की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान भूमि विवाद, अतिक्रमण, राजस्व सहित विभिन्न मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि जनता के दरबार में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कर शीघ्र ही समस्याओं का विधिसम्मत निदान कराया जाएगा। सभी आवेदनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित पदाधिकारियों के पास भेजने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। कार्यक्रम में एडीएम विभागीय जांच मो. सिबगतुल्लाह, वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अमरुद का पौधा लगा दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बीएनएम@ बगहाः पर्यावरण संरक्षण को लेकर हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय ने अमरूद का पौधा लगा कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, तथा लोगों से एक एक पेड़ लगाने की अपील की। कहा-पेड़-पौधे पर्यावरण को संतुलित रखने के साथ-साथ मानव जीवन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। पंडित भरत उपाध्याय लंबे समय से पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक करते आ रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने मधुबनी प्रखंड क्षेत्र में अब तक हजारों पौधे लगाए हैं। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यदि हर व्यक्ति एक फलदार पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो आने वाले समय में पर्यावरण को काफी लाभ मिलेगा। पौधरोपण कार्यक्रम में हरेंद्र किशोर सिंह,संतोष सिंह राठौर , चंदन सिंह, आकाश सिंह , नीरज कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार गुप्ता,मनोज यादव, सचिन सिंह, सिकंदर यादव, अंकित यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र हरैल में नाव से घर-घर पहुंचाई गई राहत सामग्री

बीएनएम@ समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए राहत अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को हरैल पंचायत के विभिन्न वार्डों एवं टोला-मोहल्लों में स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह के निजी कोष से चूड़ा-गुड़ का वितरण किया गया। विधायक प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह ने नाव के माध्यम से बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचकर घर-घर जाकर जरूरतमंद परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की। बाढ़ के कारण कई इलाकों में आवागमन प्रभावित होने के बावजूद नाव के जरिए लोगों तक राहत पहुंचाई गई। इस दौरान प्रभावित परिवारों ने राहत सामग्री मिलने पर आभार जताया। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि बाढ़ की कठिन परिस्थिति में प्रभावित परिवारों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए हरसंभव सहयोग जारी रहेगा। जरूरतमंद लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने का सिलसिला आगे भी जारी रखा जाएगा। मौके पर विश्वजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, बिक्की सिंह, अनिल पासवान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

भोजन की शिकायत के बाद अब शुल्क को लेकर सवाल

वायरल वीडियो से बढी हलचल जांच की मांग

बीएनएम@ योगापट्टी। प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय की व्यवस्था को लेकर लगातार अलग-अलग मामले सामने आने से चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। इन दिनों विद्यालय से संबंधित कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले विद्यालय में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्था को लेकर बच्चों ने विरोध जताया था। बच्चों के विरोध के बाद मामले की शिकायत स्थानीय स्तर पर की गई थी। वहीं, बीआरसी कार्यालय में भी शिकायत दर्ज कराकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की गई थी। इसी बीच अब विद्यालय से जुड़े अन्य वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे हैं। एक वीडियो में नामांकन के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक राशि लिए जाने का आरोप लगाया गया है। वहीं, दूसरे वीडियो में स्कूल का एक छात्र मुख्य सड़क से अंडे की पेटी ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। इस वीडियो को लेकर भी सोशल मीडिया पर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। हालांकि, अंडे की पेटी छात्र को कहां से मिली और उसे कहां ले जाया जा रहा था, इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं है। ।एक के बाद एक सामने आ रहे मामलों को लेकर अभिभावकों और स्थानीय लोगों के बीच भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े मामलों की शिक्षा विभाग को गंभीरता से जांच करनी चाहिए।स्थानीय लोगों ने शिक्षा विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

जिंदा हैं गौदी देवी, कागजों में हो गईं मृत !

कई महीनों से वृद्धावस्था पेंशन बंद, सरकारी रिकॉर्ड पर उठे सवाल

बीएनएम@ बेतियाः पश्चिमी चंपारण। योगापट्टी प्रखंड की डुमरी बकही पंचायत से सरकारी व्यवस्था की लापरवाही का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पंचायत क्षेत्र की रहने वाली गौदी देवी, पति स्वर्गीय मोहन यादव, जीवित हैं, लेकिन कथित तौर पर सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें मृत दर्ज कर दिया गया है। इसका खामियाजा उन्हें कई महीनों से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने के रूप में भुगतना पड़ रहा है। परिजनों के अनुसार गौदी देवी जीवित हैं और उनके पास आधार कार्ड समेत अन्य आवश्यक दस्तावेज मौजूद हैं। इसके बावजूद सरकारी रिकॉर्ड में मृत दर्ज होने के कारण उनकी वृद्धावस्था पेंशन का भुगतान बंद हो गया है। पेंशन बंद होने के बाद गौदी देवी और उनके परिजन संबंधित कार्यालयों का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। परिवार ने प्रशासन से मामले की जांच कर यह पता लगाने की मांग की है कि किस स्तर पर जीवित महिला को सरकारी रिकॉर्ड में मृत दर्ज किया गया। परिजनों ने मांग की है कि रिकॉर्ड में तत्काल सुधार कर गौदी देवी की पेंशन दोबारा शुरू की जाए और जिन महीनों की पेंशन लंबित है, उसका भुगतान कराया जाए।

फरक्का जल संधि पर जदयू का प्रहार

बिहार का पानी लूटकर बांग्लादेश को देने का आरोप

बीएनएम@ शेखपुरा. फरक्का जल संधि को लेकर जदयू ने अब आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है।जिला जदयू कार्यालय में शुक्रवार को बरबीघा जदयू विधायक कुमार पुष्पनंजय ने प्रेसवार्ता कर केंद्र और पूर्व की सरकारों पर बिहार के हितों की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1996 में भारत-बांग्लादेश के बीच हुई फरक्का जल संधि का सबसे बड़ा बोझ बिहार उठा रहा है और अब बिहार के हक के साथ खिलवाड़ नहीं चलने दिया जाएगा।विधायक ने कहा कि "फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद" के जरिए जदयू इस मुद्दे को गांव-गांव और जनता के बीच ले जाएगी।पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा गंगा किनारे बसे बिहार के 12 जिलों—बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार में संवाद कर रहे हैं। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने भी संसद में इस मुद्दे को उठाते हुए संधि के नवीनीकरण का विरोध किया है।

ब्रिक्स समिट की वेलकम किट में सत्तू-मखाना

बीएनएम@ पटना

» CM सम्राट चौधरी बोले- बिहार का स्वाद दुनिया के सामने

बिहार का गौरव एक बार फिर वैश्विक मंच पर बढ़ा है। दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स समिट की वेलकम किट में बिहार के प्रमुख खाद्य उत्पाद सत्तू और मखाना को शामिल किया गया है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस पर खुशी जताते हुए इसे राज्य के स्वाद, परंपरा और उद्यमिता की वैश्विक पहचान बताया है। सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सत्तू और मखाना को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थान मिलना बिहार के लिए गौरव की बात है। उन्होंने इसे 'Local to Global' संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए बिहार की नई पहचान बन रही है और बिहार का स्वाद अब दुनिया के सामने पहुंच रहा है।

क्या है ब्रिक्स समिट-
ब्रिक्स उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का एक अंतरराष्ट्रीय समूह है। इसका नाम मूल रूप से ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका के अंग्रेजी नामों के शुरुआती अक्षरों से बना है। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग को मजबूत करना है।

ब्रिक्स समिटमें सदस्य देशों के शीर्ष नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, विकास, निवेश, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा करते हैं। ऐसे वैश्विक आयोजन में बिहार के पारंपरिक खाद्य उत्पादों का शामिल होना राज्य के स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

घर में सोते रहे बच्चे-सास-बहू, दूसरे कमरों में ताले तोड़कर दो लाख की चोरी

परिवार के बड़े सदस्य दूसरे प्रदेश में कर रहे मजदूरी, सुबह बाहर से बंद मिला मुख्य दरवाजा

बीएनएम@ तुरकौलिया

जयसिंहपुर मौजे गांव में चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर नकदी, सोना-चांदी के आभूषण समेत करीब दो लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली। वारदात 10 सितंबर की रात की बताई जा रही है। घटना के समय घर में छोटे-छोटे बच्चे, सास और बहू मौजूद थीं, जबकि परिवार के बड़े सदस्य दूसरे प्रदेश में मजदूरी करने गए हुए हैं। पीड़ित गृहस्वामी रामअयोध्या प्रसाद उर्फ ननकू पटेल के परिजनों के अनुसार, रात में खाना खाने के बाद घर के सभी लोग एक कमरे में सो गए थे। इसी दौरान चोर दूसरे कमरों में दाखिल हो गए। चोरों ने ट्रंक, पेटी, अटैची और सूटकेस के ताले तोड़कर नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान समेट लिया। सुबह परिजन सोकर उठे तो मुख्य दरवाजा बाहर से बंद मिला। दरवाजा नहीं खुलने पर उन्होंने शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और दरवाजा खोलकर सभी को बाहर निकाला। इसके बाद घर के अंदर सामान बिखरा मिला। अलग-अलग कमरों में रखे ट्रंक और पेटियों के ताले टूटे थे। जांच के बाद नकदी, आभूषण समेत करीब दो लाख रुपये की संपत्ति चोरी होने की जानकारी हुई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने रात में पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी है। पुलिस मामले की जांच करते हुए अज्ञात चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई में जुटी है।

श्रवण कुमार ने नीतीश कुमार को बताया बिहार का 'विश्वकर्मा

» बोले- नाम बदलने में कोई दिक्कत नहीं

बीएनएम@ पटना

बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने जनता दल यूनाइटेड के नाम से 'यूनाइटेड' हटाकर पार्टी का नाम 'जनता दल नीतीश' किए जाने की बात कही थी। श्रवण कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार हमारे सबसे बड़े नेता हैं। पार्टी उनके नेतृत्व में आगे बढ़ी है। यदि पार्टी के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव आता है, तो उसे सर्वसम्मति से पारित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की ओर से लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और रामविलास पासवान के नाम पर स्थानों के नामकरण और उनकी प्रतिमा लगाए जाने की मांग पर श्रवण कुमार ने कहा कि सरकार के समक्ष यदि इस संबंध में कोई प्रस्ताव आता है तो उसकी समीक्षा की जाएगी। समीक्षा के बाद ही सरकार इस पर कोई निर्णय लेगी। लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ आईआरसीटीसी मामले में आरोप तय होने पर श्रवण कुमार ने कहा कि यह न्यायालय का मामला है। न्यायालय पूरे मामले को देख रहा है और अदालत जो फैसला करेगी, उसे सभी को मानना पड़ेगा। बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' किए जाने की संभावना पर श्रवण कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार विकास पुरुष हैं और बिहार के 'विश्वकर्मा' हैं। यदि बख्तियारपुर का नाम बदलकर नीतीशपुर करने का प्रस्ताव आता है, तो नाम बदलने में कोई दिक्कत नहीं है।

एससी एसटी आयोग की सदस्य प्रेम शीला गुप्ता पहुंची रामनगर के मुंडेरा गांव

6 सितंबर को दो पक्षों में हुई थी जमकर मारपीट

बीएनएम@ बगहा

बगहा पुलिस जिला के रामनगर थाना क्षेत्र स्थित मुड़ेरा गांव में आपसी विवाद में मारपीट का मामला सामने आया है। घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से रामनगर थाना में आवेदन दिया गया है और मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार, 6 सितंबर की सुबह मुरेड़ा गांव में मुन्ना साह के परिवार और दूसरे पक्ष के बीच विवाद के बाद मारपीट की घटना हुई। मुन्ना साह की ओर से पुलिस को दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि कई लोग उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज के बाद परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी।आवेदन में लाठी-डंडे, लोहे की रॉड, फरसा सहित अन्य हथियारों से हमला करने, परिवार के सदस्यों को चोट पहुंचाने तथा महिलाओं के साथ भी अभद्र व्यवहार करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। घटना के बाद जदयू के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्या प्रेमशीला देवी मुन्ना साह के घर पहुंचीं और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। प्रेमशीला देवी ने परिवार की बात सुनी और न्याय दिलाने की दिशा में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कानून के तहत कार्रवाई किए जाने की बात कही। इस दौरान अखिल भारतीय गोंड आदिवासी संघ के जिला अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद सुमन, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गोंड, पुलिस जिला बगहा के जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद, कोषाध्यक्ष लालमोहन साह, मोहन साह और छोटेलाल गोंड भी मौजूद रहे। मौजूद प्रतिनिधियों ने भी पीड़ित परिवार से पूरी घटना की जानकारी ली और निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की। वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से संजय पाठक ने भी रामनगर थाना में आवेदन देकर मुन्ना साह पक्ष के लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज, पैसे और आभूषण छीनने तथा जान से मारने की धमकी देने सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

मच्छरगांवा के दंगल में गूंजा पहलवानों का दम, दूर-दराज से पहुंचे पहलवान

बीएनएम@ योगापट्टी

मच्छरगांवा में आयोजित ऐतिहासिक मेले के उपरांत शुक्रवार को भव्य दंगल एवं कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दंगल में बिहार के विभिन्न क्षेत्रों सहित दूर-दराज से पहुंचे पहलवानों ने अखाड़े में अपना दमखम दिखाया। पहलवानों के बीच हुए जोरदार मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। अखाड़े में पहलवानों ने एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए शानदार दांव-पेंच आजमाए। कभी मुकाबला एक पहलवान के पक्ष में जाता तो कभी दूसरा पहलवान पलटवार करता नजर आया। रोमांचक कुश्ती देखकर दर्शकों ने तालियों और जयकारों से पहलवानों का उत्साह बढ़ाया।दंगल में लौरिया विधायक विनय बिहारी ने पहुंचकर पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बिहार सरकार के मंत्री नंदकिशोर राम भी मौजूद रहे। दोनों ने अखाड़े में चल रहे कुश्ती मुकाबलों का आनंद लिया और खिलाड़ियों की हौसला-अफजाई की। विधायक विनय बिहारी ने कहा कि कुश्ती हमारी पारंपरिक खेल संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजन से जुड़े लोगों और सभी पहलवानों को शुभकामनाएं दीं।दूर-दराज से आए पहलवानों की मौजूदगी और रोमांचक मुकाबलों के कारण मच्छरगांवा का दंगल पूरे दिन आकर्षण का केंद्र बना रहा। मेले में पहुंचे लोगों ने दंगल का जमकर आनंद लिया।

दो ऑटो और बाइक की टक्कर में आठ जख्मी

बीएनएम@ बगहा

» बंदर के कूदने से अनियंत्रित हुआ ऑटो
» 21 वीं वाहिनी के जवानों ने एम्बुलेंस से पहुंचाया अनुमंडलीय अस्पताल

बगहा के मंगलपुर स्थित एसएसबी 21वीं वाहिनी कैंप के सामने शुक्रवार को मुख्य सड़क पर दो ऑटो और एक बुलेट बाइक की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में आठ लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई गई है, जिसे बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जाता है कि मंगलपुर एसएसबी कैंप के सामने सड़क किनारे पेड़ों पर बड़ी संख्या में बंदर रहते हैं। प्रत्यक्षदर्शी यात्री राजकुमार के अनुसार, इसी दौरान एक बंदर अचानक एक ऑटो चालक पर कूद गया। बंदर के अचानक हमले से चालक घबरा गया और ऑटो अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे दूसरे ऑटो से जा टकराया। इसी क्रम में पीछे से आ रही बुलेट बाइक भी दोनों ऑटो की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें सवार लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही एसएसबी 21वीं वाहिनी के जवानों ने तत्परता दिखाई। कैंप की एंबुलेंस से सभी घायलों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल बगहा पहुंचाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. अरुण यादव ने घायलों का उपचार किया। घायलों में बनकटवा निवासी संतोष यादव (34), बेतिया निवासी सोनू कुमार शर्मा (17), गांधीनगर निवासी सामोहम्मद (65), अलाउद्दीन (35), रामजी कुशवाहा (35), बैरिया निवासी शुभम कुमार (17), लौरिया निवासी अरबाज खान (22) और बगहा निवासी नम्रता कुमारी (34) शामिल हैं। चिकित्सक के अनुसार, अलाउद्दीन की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर किया गया है।

सियार ने 48 घंटे में चार ग्रामीणों को काटा

बीएनएम@ नवलपुर

योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र में सियार के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल कायम हो गया है। बुधवार और गुरुवार की रात अलग-अलग स्थानों पर सियार ने हमला कर चार लोगों को काटकर घायल कर दिया। अचानक हुए हमलों से ग्रामीणों में भय बढ़ गया है और लोग रात के समय घर से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं।सियार के हमले में पटखौली निवासी 55 वर्षीय संजय महतो, 13 वर्षीय सुडू कुमार, बलुआ देवराय निवासी 62 वर्षीय यशोदा देवी तथा हरहा के पास नया बस्ती गांव के एक व्यक्ति के घायल होने की बात सामने आई है। सभी घायलों का इलाज कराया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सियार रात के समय आसपास के इलाकों में घूम रहा है, जिससे खासकर बच्चों, बुजुर्गों और अकेले बाहर निकलने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और सियार को पकड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो सियार के हमले की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

जेडीयू में दो महीने में टूट का दावा, आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र का बड़ा हमला

बीएनएम@ पटना। बिहार की राजनीति में जनता दल यूनाइटेड को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा दावा किया है। आरजेडी के वरिष्ठ विधायक भाई वीरेंद्र ने शुक्रवार को कहा कि अगले डेढ़ से दो महीने के भीतर जेडीयू में बड़ी टूट हो सकती है और पार्टी पूरी तरह बिखर जाएगी। उन्होंने यह दावा जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की ओर से पार्टी के नाम में बदलाव को लेकर दिए गए बयान के बाद किया है। पत्रकारों से बातचीत में भाई वीरेंद्र ने जेडीयू के नाम बदलकर 'जनता दल नीतीश' किए जाने की चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संगठन को कमजोर करने की पटकथा पहले से तैयार की जा रही है। उनके अनुसार, आने वाले दिनों में जेडीयू में केवल चार-पांच नेता ही बचेंगे और इसी वजह से नए नाम की चर्चा शुरू की जा रही है। आरजेडी विधायक ने आरोप लगाया कि संगठन के शीर्ष पदों पर बैठे कुछ नेता ही अंदरखाने पार्टी को कमजोर करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि जेडीयू में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और आने वाले समय में इसका असर खुलकर सामने आएगा।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में युवाओं से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

» 15 से 29 वर्ष के युवा-युवतियां ले सकेंगे हिस्सा, क्विज में भाग लेने पर मिलेगा प्रमाण पत्र

बीएनएम@ समस्तीपुर

देश के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027 का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से देशभर के युवाओं को विकसित भारत के निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। माय भारत के जिला युवा अधिकारी भावना गोयल ने समस्तीपुर जिले के युवाओं से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा एवं युवतियां इस कार्यक्रम में शामिल होकर विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में अपनी भागीदारी दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनकी प्रतिभा, नवाचार, रचनात्मक सोच तथा नेतृत्व क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में किया जाना आवश्यक है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग युवाओं को अपनी सोच और सुझावों को सामने रखने का एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध करा रहा है। जिला युवा अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत 17 अगस्त से 30 सितंबर तक विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें युवाओं को अपनी ज्ञान क्षमता और समसामयिक विषयों की समझ प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा, जिससे युवाओं को आगे भी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

मीडिया कवरेज का अनुरोध

मोदी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना पसंद नहीं करते, यह जग-जाहिर है। इसलिए भारत का प्रेस कांफ्रेंस ना रखने का अनुरोध असामान्य नहीं है। असामान्य अमेरिका का उस अनुरोध के प्रति दिखाई गई बेकद्री है। कूटनीतिक स्तर पर हुए संदेशों के आदान-प्रदान की सार्वजनिक चर्चा कर अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने जताया है कि ट्रंप काल में अमेरिका के मन में भारतीय नेतृत्व के प्रति कितनी बेकद्री भरी हुई है। जो उन्होंने बताया, उनसे यह और भी स्पष्ट हुआ। यह सवाल भारत सरकार से पूछा जाएगा कि आखिर यह स्थिति उसने क्यों बनने दी है? भारत में अमेरिकी राजदूत गोर ने एक कार्यक्रम में बताया कि जून में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वहां जाने का कार्यक्रम बना, तो भारतीय विदेश मंत्रालय ने अनुरोध किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनकी मुलाकात की तस्वीरें लेने की अनुमति दी जाए, लेकिन सवाल-जवाब वाली पूरी कॉन्फ्रेंस ना रखी जाए। गोर ने यह नहीं कहा, लेकिन अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत की इस शर्त पर अमेरिका सहमत हुआ। लेकिन मुलाकात के बाद मोदी और डॉनल्ड ट्रंप मीडिया के सामने आए, तो शुरुआती बयान पूरा होते ही ट्रंप ने वहां मौजूद पत्रकारों से खुद ही पूछ लिया कि क्या "कोई सवाल है?" उसके बाद वे 45 मिनट तक सवालों के जवाब देते रहे, जबकि मोदी खामोश बैठे रहे। इस खुलासे से बनी असहज स्थिति के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि किसी शीर्ष नेता के विदेशी दौरों से पहले मीडिया में उनकी उपस्थिति के प्रारूप को लेकर संबंधित देशों के बीच चर्चा होना 'मानक प्रोटोकॉलÓ है। भारतीय पक्ष ने अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार ही मीडिया कवरेज का अनुरोध किया। मोदी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना पसंद नहीं करते, यह जग-जाहिर है। इसलिए भारत की तरफ से ऐसा अनुरोध असामान्य नहीं है। असामान्य अमेरिका का उस अनुरोध के प्रति दिखाई गई बेकद्री है। अपेक्षित था कि ट्रंप के उस व्यवहार पर भारत सरकार तुरंत सार्वजनिक विरोध जताती। मगर ऐसा नहीं किया गया। अब घरेलू जनमत को संभालने के लिए 'सरकारी सूत्रोंÓ से ब्रीफिंग कराई गई है कि मीडिया के सामने विदेशी नेताओं के साथ ट्रंप के 'अप्रत्याशित व्यवहारÓ के कारण उपरोक्त अनुरोध किया गया। इस बात में सच्चाई हो सकती है, लेकिन असल मुद्दा उस अनुरोध के प्रति का ट्रंप का रहा व्यवहार है।

मिट्टी के गणेश की स्थापना बने देश का संकल्प आस्था के साथ पर्यावरण की भी हो रक्षा

कांतिलाल मांडोत

गणेशोत्सव केवल भगवान गणेश की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के साथ जुड़ाव का भी उत्सव है। हर वर्ष गणेश चतुर्थी के साथ देशभर में लाखों घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना होती है। श्रद्धालु पूरी आस्था और उत्साह के साथ भगवान गणेश का पूजन करते हैं और उत्सव के समापन पर प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। लेकिन बदलते समय के साथ इस धार्मिक परंपरा के सामने पर्यावरण संरक्षण की एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हुई है। यही कारण है कि अब गणेशोत्सव को ऐसी दिशा देने की जरूरत है, जिसमें आस्था भी बनी रहे और प्रकृति की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। गणेशोत्सव का आगाज होने वाला है और ऐसे समय में पूरे देश को एक ऐसा संकल्प लेने की जरूरत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बने। यह संकल्प मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना का होना चाहिए। यदि घर-घर और सार्वजनिक आयोजनों में मिट्टी के गणेश को प्राथमिकता दी जाए तो धार्मिक आस्था के साथ जल, मिट्टी और जलीय जीवों की रक्षा का संदेश भी मजबूत होगा। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है और आज सबसे बड़ा विघ्न प्रदूषण का बढ़ता संकट है। ऐसे में पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा की स्थापना वास्तव में प्रकृति की रक्षा की दिशा में एक सार्थक धार्मिक पहल बन सकती है। हाल ही में धरमपुर में आयोजित इको फ्रेंडली गणेश मेकिंग वर्कशॉप ने इसी सोच को जमीन पर उतारने का सुंदर प्रयास किया। लेडी विल्सन म्यूजियम और धरमपुर नगर पालिका संचालित एसएमएसएन बाल लाइब्रेरी के संयुक्त आयोजन में बच्चों और नागरिकों ने प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाईं। करीब 85 प्रतिभागियों की भागीदारी यह बताती है कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और यदि बच्चों तथा नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाई जाए तो वे परंपरा और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सकते हैं। इस तरह के आयोजन केवल मूर्ति बनाने की कला सिखाने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज में एक विचार को जन्म देते हैं। सबसे बड़ा सवाल गणेश प्रतिमाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का है। प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाएं देखने में आकर्षक और आसानी से तैयार होने वाली हो सकती हैं, लेकिन उनके विसर्जन के बाद पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीओपी पानी में आसानी से प्राकृतिक रूप से नहीं घुलता। इसके साथ ही कई प्रतिमाओं पर इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक रंग और अन्य सामग्री जल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। जब बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन नदियों, तालाबों, झीलों और अन्य जलस्रोतों में होता है तो वहां प्रदूषण का दबाव बढ़ जाता है।

जलस्रोत केवल इंसानों के लिए पानी का माध्यम नहीं हैं। वे असंख्य जलीय जीवों और वनस्पतियों का घर भी हैं। पानी में जाने वाली ऐसी सामग्री जो प्राकृतिक रूप से आसानी से नष्ट नहीं होती, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए परेशानी पैदा कर सकती है। रासायनिक रंगों और अन्य गैर-प्राकृतिक पदार्थों से जल की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। इससे मछलियों सहित दूसरे जलीय जीवों के जीवन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसलिए गणेश प्रतिमा की सामग्री का चयन केवल धार्मिक या सौंदर्य का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी का भी विषय बन चुका है। इसके मुकाबले प्राकृतिक मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल विकल्प प्रस्तुत करती है। मिट्टी प्रकृति का हिस्सा है और उचित परिस्थितियों में पानी के संपर्क में आने पर प्राकृतिक रूप से वापस मिट्टी में मिल सकती है। इसका अर्थ यह है कि श्रद्धा से स्थापित की गई प्रतिमा उत्सव के बाद प्रकृति पर लंबे समय तक बोझ नहीं बनती। यही कारण है कि मिट्टी के गणेश की स्थापना को केवल एक फैशन या अभियान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे हमारी धार्मिक परंपरा को प्रकृति के साथ जोड़ने वाली जिम्मेदार पहल के रूप में अपनाने की जरूरत है। मिट्टी के गणेश का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे स्थानीय कारीगरों और पारंपरिक शिल्प को प्रोत्साहन मिलता है। जब लोग प्राकृतिक मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को प्राथमिकता देंगे तो स्थानीय मूर्तिकारों के लिए रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे। गांवों और छोटे शहरों में पारंपरिक रूप से प्रतिमा बनाने वाले कारीगरों की कला को भी संरक्षण मिलेगा। गणेशोत्सव के माध्यम से स्थानीय कला और संस्कृति को मजबूत करना भी इस पहल का महत्वपूर्ण पक्ष हो सकता है।

मिट्टी की प्रतिमा बनाने की प्रक्रिया बच्चों के लिए भी रचनात्मक और शिक्षाप्रद अनुभव बन सकती है। धरमपुर की कार्यशाला में बच्चों ने अपने हाथों से गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं और उन्हें घर ले जाकर स्थापित करने का संकल्प लिया। इस तरह की गतिविधियां बच्चों को केवल धार्मिक भावना से नहीं जोड़तीं, बल्कि उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाती हैं। जिस बच्चे ने अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाए होंगे, उसके लिए प्रतिमा और प्रकृति के बीच संबंध को समझना कहीं अधिक सहज होगा। गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल प्रशासन या नगर निकाय की नहीं हो सकती। इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका है। परिवार यदि मिट्टी की प्रतिमा खरीदने या बनाने का निर्णय लेते हैं तो यह बदलाव की शुरुआत होगी। स्कूल और सामाजिक संस्थाएं बच्चों के लिए मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाने की कार्यशालाएं आयोजित कर सकती हैं। धार्मिक संस्थाएं और गणेश मंडल भी पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाओं को प्रोत्साहित कर सकते हैं। स्थानीय प्रशासन जलस्रोतों की स्वच्छता और सुरक्षित विसर्जन की व्यवस्था के साथ लोगों को प्राकृतिक प्रतिमाओं के उपयोग के लिए जागरूक कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण को धार्मिक आस्था के विरोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आस्था और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव सम्मान दिया गया है। पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और जलस्रोत हमारे सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। भगवान गणेश स्वयं प्रकृति से जुड़े अनेक प्रतीकों के साथ पूजे जाते हैं। ऐसे में उनके उत्सव को प्रकृति के अनुकूल बनाना हमारी परंपरा की भावना के और करीब ले जाता है।

आज आवश्यकता केवल एक वर्ष मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने की नहीं, बल्कि इसे स्थायी सामाजिक संकल्प बनाने की है। यदि एक परिवार से शुरुआत होती है तो धीरे-धीरे पूरा मोहल्ला, शहर और फिर पूरा समाज इससे जुड़ सकता है। आने वाले वर्षों में ऐसा समय आ सकता है जब गणेशोत्सव की पहचान ही पर्यावरण अनुकूल उत्सव के रूप में होने लगे। जब लोग गर्व से कहें कि उनके घर में स्थापित गणेशजी मिट्टी से बने हैं और विसर्जन के बाद वे प्रकृति में ही समा जाएंगे, तब यह उत्सव वास्तव में एक नए सामाजिक बदलाव का प्रतीक बनेगा। गणेशजी विघ्नहर्ता हैं। आज प्रदूषित होते जलस्रोत, घटती जल गुणवत्ता और प्रकृति पर बढ़ता दबाव हमारे सामने बड़ी चुनौती हैं। इन चुनौतियों को कम करने में हर छोटा कदम महत्वपूर्ण है। मिट्टी के गणेश की प्रतिमा स्थापित करना भले ही छोटा संकल्प दिखाई दे, लेकिन करोड़ों परिवार इसे अपना लें तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए इस गणेशोत्सव पर घर-घर से यही आवाज उठनी चाहिए कि आस्था भी रहे, परंपरा भी रहे और प्रकृति भी सुरक्षित रहे। मिट्टी के गणेश केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि बदलती सोच का प्रतीक बन सकते हैं। यह संकल्प भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा को कम नहीं करता, बल्कि श्रद्धा को प्रकृति की सेवा से जोड़ता है। गणेशोत्सव की सच्ची सार्थकता तभी होगी, जब उत्सव के बाद हमारे जलस्रोत पहले से अधिक स्वच्छ रहें, जलीय जीवन सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियां भी उसी निर्मल प्रकृति का आनंद ले सकें, जिसकी रक्षा की जिम्मेदारी आज हमारे हाथों में है। इस बार गणेशजी को घर लाते समय एक संकल्प भी साथ लाना होग।गणेशजी मिट्टी के होंगे और हमारा उत्सव प्रकृति के हित में होगा। (L 103 जलवन्त टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड,नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सो, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए लंबी नहीं

हरिशंकर व्यास

आनंद फिल्म में हीरो का एक लाजवाब वाक्य है, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं। और मेरे हिसाब से भारत के प्रधानमंत्रियों को परखने का भी यह एक सत्व-तत्व है। लालबहादुर शास्त्री, पीवी नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल लंबा नहीं हुआ मगर बड़ा था। शास्त्री ने 1965 के युद्ध की चुनौती में ठोस लीडरशिप से वह कमाल किया, जिसने देश के मनोबल को ऊंचाई दी। नरसिंह राव मौनी थे, पर पंजाब, कश्मीर, उत्तर-पूर्व में अलगाववाद और आतंकवाद की कमर दृढ़ता से तोड़ी तो आर्थिक सुधारों और कूटनीति से वह दिशा बनाई, जिससे हिंदू विकास दर की जड़ता खत्म हुई। ऐसे ही वाजपेयी हों या डॉ. मनमोहन सिंह, इन्होंने देश और पूरे समाज को साथ लेकर चलने की कोशिश की। अमेरिका से परमाणु करार कर भारत का दशकों पुराना परमाणु अछूतपन खत्म किया। भारत दुनिया की तेजी से उभरती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने लगा।

पर इनमें से एक भी प्रधानमंत्री ने (या नेहरू, इंदिरा गांधी, मोरारजी आदि किसी ने भी) अपनी सत्ता के पांच, दस, पंद्रह साल होने का तमाशा नहीं बनाया। अपना कीर्तन नहीं करवाया। सत्ता को नौटंकी नहीं बनाई। देश को विश्व राजनीति में लुढ़कता लोटा नहीं बनाया, बल्कि अपनी बुद्धि, वाणी और गरिमा से भारत की पहचान बनवाई।

जबकि नरेंद्र मोदी के लंबे पच्चीस साला पावर में क्या ऐसा एक भी बड़ा काम है? क्या उनके कार्यकाल से भारत की संस्थागत क्षमता, उत्पादकता या सामाजिक शक्ति की श्रीवृद्धि हुई या उलटे बरबादी हुई? बतौर मुख्यमंत्री उनका गुजरात मॉडल हो या बतौर प्रधानमंत्री 'अच्छे दिनÓ, अमृतकाल, विकसित भारत जैसे सैकड़ों जुमले, किसी भी एक की असलियत, गहराई और परिणामों को यदि जांचें तो अल्टीमेटली वही सत्य उभरेगा, जिनसे उनका कार्यकाल सुधीजनों से चिह्नित हुआ है। हां, लालकृष्ण आडवाणी ने अप्रैल 2014 में कहा था मैं नरेंद्र भाई को अपना चेला नहीं कहूंगा, लेकिन मैंने उनसे अधिक प्रतिभाशाली और कुशल इवेंट मैनेजर कभी नहीं देखा।

अटल बिहारी वाजपेयी ने चार अप्रैल 2002 को अहमदाबाद में मोदी को राजधर्म याद कराते हुए कहा था, 'राजा और शासक के लिए प्रजा-प्रजा में भेद नहीं हो सकता, न जन्म के आधार पर, न जाति के आधार पर, न संप्रदाय के आधार परÓ। एक और उदाहरण 'इंडिया टुडेÓ पत्रिका की गुजरात चुनाव जीतने के बाद की यह कवर स्टोरी है, 'मास्टर डिवाइडरÓ (6 जनवरी 2003)। फिर मोदी ने दिल्ली में सत्ता संभाली तो अरुण शौरी का यह अविस्मरणीय कथन सुनाई दिया कि सरकार आर्थिकी नहीं चला रही है, बल्कि वह हेडलाइंस का प्रबंधन कर रही है। फिर नोटबंदी हुई तब अरुण शौरी ने उसे अब तक की सबसे बड़ी मनी-लॉन्ड्रिंग स्कीम और बेवकूफी भरा झटका कहा था। चार अलग समय, अलग संदर्भ और अलग-अलग वर्णन, राजधर्म, मास्टर डिवाइडर, इवेंट मैनेजर और हेडलाइन मैनेजमेंट। पच्चीस साल बाद इनमें से कौन-सा वर्णन अप्रासंगिक हुआ? पूरे पच्चीस वर्षों की यही पहचान है। बावजूद इसके नरेंद्र मोदी थकते नहीं हैं। उनका शो, तमाशा कभी ठिठकता या रुकता नहीं और मैं क्योंकि नरेंद्र मोदी का प्रारंभ से प्रत्यक्षदर्शी हूं तो इस मजेदार रियलिटी को भी जानें। गुजरात के सीएमओ का प्रशासन जब पीके मिश्रा, कैलाशनाथन, एपी शर्मा जैसे अफसर संभालते थे, तब भी नरेंद्र मोदी जनसंपर्क अधिकारी जगदीश ठक्कर के साथ बैठकर प्रेस रिलीज बनवाते थे और 'गुजरात समाचारÓ, 'संदेशÓ आदि में हेडलाइन प्रबंधन स्वयं संभालते थे। दिल्ली आए तो वे जगदीश ठक्कर को भी साथ ले कर आए। तब उनकी प्राथमिकता समाचार पत्र थे। फिर टीवी हुआ। ठक्कर की मृत्यु के बाद मोदी ने हीरेन जोशी को आगे किया। राष्ट्रीय मीडिया को मोदी दुकान बनाया। अखबार, टीवी चैनलों की क्रेडिबिलिटी खत्म हुई तो सोशल मीडिया का प्रबंधन शुरू हुआ। और अब वक्त इंस्टाग्राम का है तो रील्स बना कर अपना मुखड़ा युवाओं के गले उतार रहे है। मंच बदला, माध्यम बदला पर मोदी की मूल राजनीति और शासन की कला याकि हेडलाइन और नैरेटिव पर नियंत्रण को तनिक भी नहीं भूला। लगता है अब पच्चीस साला मोदी मॉडल आउटडेटेड हो रहा है। सब मैनेज हो गया है। मगर रील्स देखते, मीम बनाते, सवाल पूछते और सत्ता का मजाक उड़ाते नए युवाओं का क्या करें? उनके प्रबंधन में नरेंद्र मोदी आउटडेटेड होते हुए दिखाई दे रहे हैं। सो, सवाल यह नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने पच्चीस साल सत्ता में कैसे बिताए? असली सवाल है, उनके पच्चीस वर्षों ने भारत में क्या स्थायी बनाया? क्या नरेंद्र मोदी की ऐसी टिकाऊ उपलब्धि कोई है, कोई नीति, कोई संस्था, कोई आर्थिक-सामाजिक परिवर्तन है या 9,130 दिनों में ले दे कर चौबीसों घंटे राजनीतिक इवेंट की समय बरबादी?

सो, बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए लंबी नहीं। सत्ता भी।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आप व्यापार में अच्छा धन लाभ कमायेंगे, घर में भौतिक सम्पन्नता बनी रहेगी। आज आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे चहल-पहल बनी रहेगी। आज आप अपने करियर में सक्सेस पाने के लिए प्लानिंग करेंगे इससे आपको आने वाले दिनों में फायदा होगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप फैक्ट्री के वर्कर को उपहार देंगे, जिससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठेंगे और वो मन लगाकर काम करेंगे। यह समय प्रेम भाव से अपना काम बनाने का है ऐसे में किसी से भी व्यर्थ बात करने से बचें। इस राशि के जो व्यक्ति अच्छी नौकरी की तलाश कर रहे हैं।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे। आज आप दूसरों के कल्याण की भावना से किसी काम की शुरुआत करेंगे, जो आपकी सामाजिक छवि को मजबूत करेगा। आज आप किसी प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का मन बना सकते हैं, किसी डीलर के माध्यम से आपको बढ़िया डील मिलेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी काम की शुरुआत करेंगे, जिसके माध्यम से दूसरों को भी रोजगार मिलेगा। आज आप जीवन में एक नया दृष्टिकोण लेकर आएंगे और जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आज इस राशि के हेल्थ केयर में अपना करियर बना रहें व्यक्तियों के लिए दिन अच्छा रहेगा, सीनियर से कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आप अपने काम को समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे, जिसमें आप जीवनसाथी की मदद ले सकते हैं। इस राशि के कॉम्पिटीशन करने वाले छात्रों को आज अपने सीनियर से किसी विषय को समझने में आसानी रहेगी। आपके दाम्पत्य जीवन में तालमेल बना रहेगा, जीवनसाथी के साथ बेहतर समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्तों को मजबूती मिलेगी। आज आप किसी चीज को समझने के लिए पिता का सहयोग मिलेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी में कार्यरत व्यक्ति को ट्रांसफर से जुड़ी खबर मिल सकती है और किसी काम को लेकर आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

तुला राशिःतुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपना पुश्तैनी कारोबार बहुत अच्छे से संभालेंगे, जिससे पिता को बहुत खुशी मिलेगी। आज आप व्यर्थ की बातों को छोड़कर अपने काम पर ध्यान देंगे, जिससे काम समय पर हो जायेगा। आज आप साफ मन से किसी की मदद करेंगे, जिसका आपको पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

वृश्चिक राशिःवृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपके काम से खुश होकर बॉस आपका प्रमोशन कर सकते हैं, इसलिए आज आप अपना काम पूरी सावधानी से करें। आज आपकी कम्युनिकेशन स्किल दूसरों को प्रभावित करेगी, जिससे आपको फायदा होगा। आज आपको कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में सतर्कता बरतने के जरूरत है, आप किसी अनुभवी वकील की मदद ले सकते हैं।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप व्यापार में अच्छा धन लाभ कमायेंगे, आपके परिवार में भौतिक साधनों की बढ़ोतरी होगी। आज आपका सरकारी काम अटका हुआ है, तो किसी अधिकारी की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के खेलकूद से जुड़े छात्र आज किसी प्रतियोगिता में शामिल होंगे और आपको अच्छे रिजल्ट्स मिलेंगे। आज आपका मन अध्यात्म में थोड़ा ज्यादा लगेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपके सोचे हुए अधिकतर कार्य पूरे होंगे और आप नए कार्यो की योजना बनायेंगे। आज आपके मन में बिजनेस को लेकर नए-नए आडियाज आयेंगे, इस बारे में आप किसी एक्सपर्ट की राय भी ले सकते हैं। आज आपके सभी शारीरिक कष्टों का निवारण होगा, जिससे आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आज आप कुछ समय एकांत में बितायेंगे।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप वो पाने में सफल रहेंगे, जिसके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी। आज आप जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में आपको अच्छा लाभ होगा। आज आपको किसी करीबी के माध्यम से आर्थिक धन लाभ होगा और आपके रिश्ते भी मजबूत बनेंगे।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप व्यापार में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जिनका आपको भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप बच्चों के भविष्य को लेकर इन्वेस्टमेंट का प्लान बना तैयार करेंगे।

भाषाई पुनर्गठनः विविधता को स्वीकार कर मजबूत हुई भारतीय एकता

डॉ. सत्यवान सौरभ

स्वतंत्रता के समय भारत के सामने केवल राजनीतिक स्वतंत्रता को स्थायी बनाने की चुनौती नहीं थी, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण भी करना था जिसमें भाषा, संस्कृति, परंपरा और क्षेत्रीय पहचान की असाधारण विविधता के बावजूद राष्ट्रीय एकता कायम रहे। ब्रिटिश शासन से विरासत में मिली प्रांतीय सीमाएँ प्रशासनिक सुविधा और औपनिवेशिक हितों के अनुरूप थीं। इनमें अनेक क्षेत्रों की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया था। इसलिए स्वतंत्रता के बाद भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की मांग स्वाभाविक रूप से उठी। हालाँकि शुरुआती दौर में राष्ट्रीय नेतृत्व भाषाई राज्यों को लेकर आशंकित था। विभाजन की त्रासदी अभी ताजा थी और यह भय था कि यदि राज्यों का गठन भाषा के आधार पर किया गया तो क्षेत्रीय पहचान राष्ट्रीय पहचान पर हावी हो सकती है। किंतु भारतीय लोकतंत्र की विशेषता यही रही कि उसने इन आकांक्षाओं को दबाने के बजाय संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से समायोजित करने का रास्ता चुना। समय ने सिद्ध किया कि भाषाई पहचान को सम्मान देना भारत की एकता के लिए खतरा नहीं, बल्कि उसकी मजबूती का आधार बन सकता है। भाषाई पहचान की राजनीतिक स्वीकार्यता स्वतंत्रता से पहले ही दिखाई देने लगी थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने प्रांतीय संगठनों का पुनर्गठन भाषाई आधार पर किया था। इसका उद्देश्य यह था कि जनता से संवाद उनकी भाषा और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में बेहतर ढंग से हो सके। लेकिन स्वतंत्रता और विभाजन के बाद परिस्थितियाँ बदल गईं। राष्ट्रीय नेतृत्व तत्काल किसी बड़े क्षेत्रीय पुनर्गठन के पक्ष में नहीं था। 1948 में गठित धार आयोग ने तत्काल भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की अनुशंसा नहीं की। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल और पट्टाभि सीतारमैया की सदस्यता वाली जेवीपी समिति ने भी 1949 में राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक स्थिरता और नवगठित राष्ट्र की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उस समय यह सावधानी समझ में आती थी, क्योंकि देश राजनीतिक संक्रमण और सामाजिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था। लेकिन जन आकांक्षाओं को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता था। आंध्र क्षेत्र में तेलुगु भाषी जनता के लिए अलग राज्य की मांग तेज होती गई। पोट्टि श्रीरामुलु के 1952 के आमरण अनशन और उनकी मृत्यु ने इस आंदोलन को निर्णायक मोड़ दिया। व्यापक जनदबाव के बाद 1953 में आंध्र राज्य का गठन हुआ। यह घटना केवल एक राज्य के निर्माण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने देश के अन्य हिस्सों में भी भाषाई आधार पर राज्यों की मांग को गति दी। इसके बाद सरकार ने समस्या का व्यापक और संस्थागत समाधान खोजने का प्रयास किया। 1953 में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग, जिसकी अध्यक्षता फज़ल अली ने की, ने भाषाई और सांस्कृतिक आकांक्षाओं के साथ-साथ प्रशासनिक, आर्थिक तथा भौगोलिक व्यवहार्यता पर भी विचार किया। आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम तथा संविधान का सातवाँ संशोधन लागू हुआ। इसके परिणामस्वरूप भारत के प्रशासनिक मानचित्र में व्यापक बदलाव आया और 14 राज्यों तथा छह केंद्रशासित प्रदेशों की व्यवस्था अस्तित्व में आई। भाषाई राज्यों का सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि उन्होंने क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय पहचान के बीच टकराव को कम किया। जब किसी समुदाय को अपनी भाषा, संस्कृति और स्थानीय आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासनिक पहचान मिली तो अलगाव की भावना कमजोर हुई। लोगों को यह विश्वास मिला कि भारतीय संघ उनकी विशिष्ट पहचान को समाप्त करने के बजाय उसका सम्मान करता है। भाषाई पुनर्गठन का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ प्रशासनिक स्तर पर दिखाई दिया। मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शासन-प्रशासन और सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता ने राज्य और नागरिक के बीच दूरी कम की। लोकतंत्र तभी प्रभावी होता है जब नागरिक शासन की भाषा और प्रक्रिया को समझ सके। क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशासन ने सामान्य नागरिकों की भागीदारी को अधिक सहज बनाया। इस व्यवस्था ने लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को भी व्यापक बनाया। स्थानीय भाषा बोलने वाले राजनीतिक नेतृत्व को राज्य स्तर पर उभरने का अवसर मिला। इससे राजनीति अधिक जनसरोकारों से जुड़ी और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएँ राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनीं। भाषाई राज्यों ने यह भी सिद्ध किया कि संघीय व्यवस्था में अलग-अलग क्षेत्रीय पहचानें राष्ट्रीय एकता के साथ सह-अस्तित्व रख सकती हैं। भारत का पुनर्गठन 1956 पर समाप्त नहीं हुआ। बदलती राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार राज्यों की सीमाओं में आगे भी परिवर्तन हुए। 1960 में महाराष्ट्र और गुजरात का गठन तथा 1966 में पंजाब के पुनर्गठन के साथ हरियाणा का निर्माण इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इससे स्पष्ट हुआ कि भारतीय संघ कोई स्थिर और अपरिवर्तनीय प्रशासनिक ढाँचा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को ढालने वाली व्यवस्था है। हालाँकि भाषाई राज्यों की सफलता का अर्थ यह नहीं कि भाषाई अस्मिता से जुड़ी सभी चुनौतियाँ समाप्त हो गईं। भाषाई बहुसंख्यकवाद, अल्पसंख्यक भाषाओं की उपेक्षा और क्षेत्रीय श्रेष्ठताबोध जैसी प्रवृत्तियाँ संघीय सद्भाव के लिए चुनौती बन सकती हैं। इसलिए भाषाई पहचान के संरक्षण के साथ भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को संवैधानिक और लोकतांत्रिक माध्यमों से सुना जाए। किसी भी क्षेत्र की पहचान को राष्ट्र-विरोधी मानना उतना ही अनुचित है जितना क्षेत्रीय पहचान को राष्ट्रीय पहचान से ऊपर रखना। सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन ही भारतीय संघवाद की वास्तविक शक्ति है। भाषाई पुनर्गठन भारत के राष्ट्र-निर्माण की एक विशिष्ट उपलब्धि है। इसने यह महत्वपूर्ण सबक दिया कि विविधता को दबाकर एकता कायम नहीं की जा सकती। भारत ने अपनी भाषाई विविधता को संवैधानिक ढाँचे में स्थान देकर यह सिद्ध किया कि एकता समानता थोपने से नहीं, बल्कि विविधताओं को सम्मानपूर्वक समायोजित करने से मजबूत होती है। यही लचीला संघवाद आज भी भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता और राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वियतनाम ओपन में तन्वी शर्मा ने मालविका बंसोड़ को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेंसी, हो ची मिन्ह सिटी

शीर्ष वरीय तन्वी शर्मा ने शुक्रवार को हमवतन सातवीं वरीय मालविका बंसोड़ को कड़े मुकाबले में हराकर वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व की 27वें नंबर की तन्वी ने मालविका को 21-18, 15-21, 21-14 से शिकस्त दी। तीसरी वरीय ईशारानी बरुआ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पिंग को 21-15, 21-18 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

मालविका ने पहले गेम में तेज शुरुआत की और तन्वी के खिलाफ 13-6 की आरामदायक बढ़त बना ली। इसके बाद तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए अगले 13 में से 10 अंक हासिल किए और स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए तन्वी ने पहला गेम 21-18 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और बढ़त लगातार बदलती रही। हालांकि, इस बार मालविका ने अंतिम चरण में बेहतर खेल दिखाया और 21-15 से गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन मध्यांतर के बाद तन्वी ने अपनी गति बढ़ाई और बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने मालविका को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमीफाइनल में तन्वी का सामना थाईलैंड की टोनरुग साहेंग और सारुनराक वितिदसर्न के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। ईशारानी का सामना रक्षिता श्री या मानसी सिंह में से किसी एक से होगा।

आईएसएसओ शतरंज खेलों का अहमदाबाद में आगाज, प्रज्ञानानंद और हर्ष सांघवी ने युवा खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

एजेंसी, अहमदाबाद

अदाणी इंटरनेशनल स्कूल, अहमदाबाद में आईएसएसओ शतरंज खेलों का शुक्रवार को आगाज हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर के 102 इंटरनेशनल स्कूलों के 427 युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 11 और 12 सितंबर को आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में लड़कों और लड़कियों के अलग-अलग मुकाबले हो रहे हैं। इन खेलों के जरिए विद्यार्थियों को देशभर के अपने हमउम्र खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। उद्घाटन के मौके पर भारतीय

ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद भी मौजूद रहे। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें आत्मविश्वास तथा उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रज्ञानानंद के साथ गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने भी प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और युवा प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। हर्ष सांघवी ने कहा, "प्रतिभाओं की शुरुआती पहचान करना और स्कूल स्तर पर उन्हें निखारने तथा विकसित करने के लिए सही मंच उपलब्ध कराना भारत के खेल भविष्य के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। आईएसएसओ शतरंज खेल जैसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने, अनुभव हासिल करने और अपने खेल सफर में अगले कदम की ओर बढ़ने का अवसर देती हैं।" ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने कहा, "यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि देशभर के स्कूलों से इतने युवा खिलाड़ी एक साथ आए हैं और उन्हें इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल रहा है। इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को दबाव में अपना खेल विकसित करने और प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को ढालने में मदद करती हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी खिलाड़ी इस अनुभव का आनंद लेंगे, हर मुकाबले से सीखेंगे और कड़ी मेहनत करते हुए शतरंज के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाएंगे। मैं यहां उनका उत्साह बढ़ाने के लिए आकर खुश हूं और सभी को शुभकामनाएं देता हूं।"

यूएस ओपनः राइबाकिना ने गॉफ को हराया, सबालेंका से होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी, न्यूयॉर्क

कजाखस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेना राइबाकिना ने शुक्रवार को कड़े मुकाबले में घरेलू पसंदीदा कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। दूसरी वरीय राइबाकिना इस जीत के साथ यूएस ओपन के बाद दुनिया की नई नंबर एक खिलाड़ी बनना सुनिश्चित कर चुकी हैं। उन्होंने सबालेंका को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष रैंकिंग हासिल की

है। हालांकि, अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए उन्हें फाइनल में सबालेंका की चुनौती से पार पाना होगा। राइबाकिना ने मैच के बाद कहा, "मुझे पहले सेट में लगा कि यह बहुत अच्छी शुरुआत थी और सिर्फ एक ब्रेक का अंतर था, लेकिन निश्चित रूप से दबाव था। कोको शानदार खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। रैलियों को नियंत्रित करना बहुत कठिन होता है। मैंने बस गहरी सांस ली और खुद से सकारात्मक बातें कीं, ताकि अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश कर सकूं।" गॉफ ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और कजाख खिलाड़ी पर दबाव बनाए रखा। छठे गेम में उन्होंने राइबाकिना की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में गॉफ का स्तर थोड़ा गिरा और उनकी कुछ गलतियों का राइबाकिना ने फायदा उठाया।

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिपः सृष्टि अरोड़ा और मनीष नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता कांस्य

एजेंसी, चांगवोन । भारतीय जोड़ी सृष्टि अरोड़ा और पेरिस पैरालंपिक के पदक विजेता मनीष नरवाल ने शुक्रवार को चांगवोन में चल रही डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीत लिया। फाइनल में सृष्टि ने 195.3 अंक का स्कोर किया, जबकि मनीष ने 208.7 अंक हासिल किए। भारतीय जोड़ी का कुल स्कोर 404.0 रहा और उसने तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की डांग युहोंग और हुआंग शिंग की जोड़ी ने 472.1 अंक के संयुक्त विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की मून एइक्युंग और जो जियोंगदू ने 466.0 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले सृष्टि और मनीष ने क्वालीफिकेशन में कुल 565 अंक हासिल कर फाइनल में जगह बनाई थी। सृष्टि ने 279 अंक, जबकि मनीष ने 286 अंक का योगदान दिया। एक अन्य भारतीय जोड़ी भक्ति शर्मा और रुद्रांश खंडेलवाल क्वालीफिकेशन में 557 अंक के साथ 10वें स्थान पर रही और फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी।

यूएस ओपनः सबालेंका ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया, लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सबालेंका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में गुरुवार को तीसरी वरीय पेगुला को 7-5, 6-2 से शिकस्त दी और लगातार चौथे वर्ष खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। सबालेंका इस जीत के साथ लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को भी बरकरार रखने में सफल रहीं। हालांकि, खिताब जीतने की स्थिति

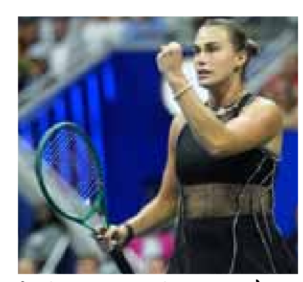

में भी वह दुनिया की नंबर एक रैंकिंग बरकरार नहीं रख पाएंगी और उनकी जगह एलेना राइबाकिना शीर्ष स्थान हासिल करेंगी। 28 वर्षीय सबालेंका ने मुकाबले में सात ऐस समेत 29 विनर्स लगाए। उनकी ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने पेगुला लगातार दबाव में रहीं। सबालेंका अब शनिवार को होने वाले फाइनल में दूसरी वरीय राइबाकिना और चौथी वरीय कोको गॉफ के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेंगी। सबालेंका ने जीत के बाद कहा, "मैं बेहद खुश हूं कि मैं इस तरह का टेनिस खेल सकी। मैं जीत के लिए बेताब थी। मैं इसे बहुत बुरी तरह जीतना चाहती थी।" पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार सर्विस की और मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सबालेंका पेगुला की सर्विस के खिलाफ ज्यादा मौके नहीं बना पा रही थीं और उनकी निराशा भी नजर आई।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में क्वालिएंस इंटरनेशनल की धमाकेदार शुरुआत, आईपीओ निवेशक हुए खुश

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकारी और बड़ी विदेशी कंपनियों के लिए टेक्निकल गारमेंट्स की डिजाइनिंग और प्रोडक्शन का काम करने वाली कंपनी क्वालिएंस इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में धमाकेदार शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 127 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 77.09 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 224.90 रुपये के स्तर पर हुई।

मजबूत लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 236.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 109.10 रुपये यानी 85.91 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस आईपीओ में एक लॉट 1,000 शेयर का था। इस तरह पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों को प्रति लॉट 1,09,100 रुपये तक का फायदा हो गया। इस कंपनी का 45.11 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से आठ सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 459.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 299.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 699.59 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 447.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 35.52 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी तमिलनाडु के तिरुपुर में नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्च की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। क्वालिएंस इंटरनेशनल लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.90 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 11.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 38.14 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 55.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 80.95 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 19.17 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 29.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी किए जाने का संकेत देने के कारण वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.60 प्रतिशत टूट कर 52,064.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,591.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं नैस्डेक 171.62 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,081.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 120.62 अंक यानी 0.23 प्रतिशत उछल कर 52,184.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

गोयल ने ब्रिक्स देशों से भुगतान प्रणालियों को जोड़ने, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने किया आग्रह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिक्स के सदस्य देशों से अपनी भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ने, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने और दुनिया भर में डिजिटल व्यापार को अधिक सुलभ बनाने का शुक्रवार को आग्रह किया। वाणिज्य मंत्री ने नई दिल्ली में 'ब्रिक्स बिजनेस फोरम 2026' के उद्घाटन सत्र में कहा कि भारत ने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सालाना 250 अरब से अधिक लेनदेन का आंकड़ा पार कर चुका है, जो दुनियाभर में लेनदेन की संख्या के हिसाब से आधे से अधिक है।

उन्होंने कहा, ''आज यूपीआई को 11 देशों में स्वीकार किया जाता है और मैं ब्रिक्स के सदस्य देशों तथा साझेदार देशों से आग्रह करूंगा कि वे हमारी इस भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ें, एक-दूसरे की स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करें, डिजिटल व्यापार को वैश्विक बनाएं और भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों

के लिए मिलकर काम करें।'' गोयल ने कहा कि साझेदार देशों के बीच व्यापार गहरा एवं मजबूत होना चाहिए तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता होनी चाहिए, ताकि किसी भी समय व्यापार सदस्य के देशों में से किसी की वृद्धि और लोगों के कल्याण में बाधा न बने। गोयल ने ब्रिक्स देशों से कहा कि सदस्य देशों को डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए अपने पेमेंट सिस्टम को लिंक करना चाहिए और स्थानीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मजबूत और सुरक्षित सप्लाई चेन के लिए क्रिटिकल मिनरल्स और कच्चे माल का निर्बाध आदान-प्रदान जरूरी है। मंत्री ने प्रोफेशनल्स की मोबिलिटी को आसान बनाने और महिला उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों व प्रदर्शनियों में अधिक अवसर देने की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया। ये 'बिजनेस फोरम' दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर आयोजित किया गया है। भारत शनिवार से इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। ये सम्मेलन भी रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध तथा अमेरिकी प्रशासन की शुल्क नीतियों से उत्पन्न एवं बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच हो रहा है। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स एक प्रभावशाली समूह के रूप में उभरा है। इसमें दुनिया की 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं, जो कि वैश्विक आबादी के लगभग 49.5 फीसदी, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के करीब 40 फीसदी और वैश्विक व्यापार के करीब 26 फीसदी का प्रतिनिधित्व करती हैं।

क्रूड ऑयल के तीखे हुए तेवर, बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार रॉकेट की रफ्तार से ऊपर चढ़ रही है। ब्रेंट क्रूड आज 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमत में आई इस जोरदार तेजी से भारत की अर्थव्यवस्था पर काफी नकारात्मक असर पड़ने की आशंका बन गई है। माना जा रहा है कि कच्चे तेल की कीमत में आए इस उछाल के कारण महंगाई बढ़ने के साथ ही

रुपये के कमजोर होने की आशंका भी बनी हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सीधे सैन्य संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट में ऑयल टैंकर्स पर हुए हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल पिछले चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गया है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि एक प्रमुख ऑयल इंपोर्टर देश होने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी का सीधा असर शेयर बाजार, भारतीय मुद्रा रुपये की कीमत और घरेलू बाजार पर नजर आने लगा है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि कच्चे तेल के महंगे होने का सबसे पहला और बड़ा झटका भारतीय मुद्रा को लगा है। ऑयल इंपोर्ट बिल का भुगतान करने के लिए भारतीय तेल कंपनियों को डॉलर की मांग में भारी बढ़ोतरी करना पड़ा है। डॉलर की मांग में आई तेजी के कारण डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया रिकॉर्ड कमजोरी के साथ 95.80 के स्तर तक गिर गया।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की जोरदार उछाल आया है। भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

फ्लिपकार्ट मिनट्स ने दर्ज की चार गुना वृद्धि, नेटवर्क 150 से ज्यादा शहरों तक पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के ऑनलाइन खुदरा बाजार में फ्लिपकार्ट की क्विक कॉमर्स पेशकश फ्लिपकार्ट मिनट्स ने लांचिंग के बाद तेजी से विस्तार करते हुए सालाना आधार पर चार गुना वृद्धि दर्ज की है। पिछले दो वर्षों में प्लेटफॉर्म का नेटवर्क बढ़कर 150 से अधिक शहरों में लगभग 1,200 माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर तक पहुंच गया है। इस प्लेटफॉर्म ने शुरुआत से अब तक चार लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। कंपनी ने कहा कि इस वृद्धि में टियर 2+ बाजारों की अहम भूमिका देखने को मिल रही है। इसमें अंबाला, बाराबंकी, भागलपुर,

दुर्गापुर, कानपुर, रुड़की, सिलीगुड़ी, सलेम और तिरुप्पुर जैसे शहरों में ग्राहक आधार सालाना आधार पर करीब 25 गुना बढ़ा है। इन बाजारों में मांग अब रोजमर्रा की जरूरतों तक सीमित नहीं है। कोरियन नूडल्स, सॉस और रेडी-टू-ईट मील्स जैसे उत्पादों के साथ-साथ प्रीमियम स्किनकेयर और पर्सनल केयर कैटेगरी में भी मजबूत मांग देखने को मिल रही है। कंपनी ने कहा कि फ्लिपकार्ट मिनट्स पर जेन जेड (Gen Z) सबसे तेजी से बढ़ने वाला ग्राहक वर्ग बनकर उभरा है। पिछले 12 महीनों में इस वर्ग का ग्राहक आधार सालाना आधार पर करीब पांच गुना बढ़ा है। ब्यूटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, गेमिंग, वियरेबल्स, फ्रेगरेंस, हेल्थ एवं न्यूट्रिशन और ग्रूमिंग जैसी कैटेगरी में 45 फीसदी से अधिक ऑर्डर जेन जेड ग्राहकों द्वारा किए जाते हैं। इसके अलावा प्लेटफॉर्म पर गॉरमेट कैटेगरी के हर तीन में से एक ऑर्डर जेन जेड ग्राहक करते हैं। कंपनी के मुताबिक ये आंकड़े दिखाते हैं कि यह पीढ़ी क्विक कॉमर्स का इस्तेमाल रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर प्रीमियम और लाइफस्टाइल से जुड़ी अन्य श्रेणियों तक कहीं अधिक व्यापक उत्पादों की खरीदारी के लिए कर रही है।

बिग बॉस 20 की माही विज कौन हैं? मॉडलिंग से टेलीविजन तक ऐसा रहा सफर

टेलीविजन की चर्चित अभिनेत्री माही विज ने 'बिग बॉस 20 में प्रतियोगी के रूप में प्रवेश कर एक बार फिर दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। माही को सबसे ज्यादा लोकप्रियता धारावाहिक 'लागी तुझसे लगन में नकुशा के किरदार से मिली। इस भूमिका ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। हालांकि, माही का मनोरंजन जगत से जुड़ा सफर केवल टेलीविजन तक सीमित नहीं है। मॉडलिंग से लेकर फिल्मों, संगीत वीडियो और विभिन्न रियलिटी कार्यक्रमों तक उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। माही विज 'झलक दिखला जा 4, 'नच बलिए 5 और 'खतरों के खिलाड़ी के पांचवें तथा सातवें संस्करण में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनय के अलावा रियलिटी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी ने उन्हें दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया। माही विज दिल्ली की रहने वाली हैं। वह काफी कम उम्र में मुंबई आ गई थीं। मायानगरी में आने के बाद उन्होंने मॉडलिंग के जरिए अपने करियर की शुरुआत की।

मनोरंजन की दुनिया में पहचान बनाने से पहले उन्हें मुंबई में संघर्ष के दौर से भी गुजरना पड़ा। मॉडलिंग के बाद माही ने अभिनय की ओर रुख किया। हिंदी टेलीविजन पर लोकप्रिय होने से पहले उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखा था। उन्होंने एक मलयालम फिल्म के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस तरह फिल्मों में उनकी पहली मौजूदगी हिंदी सिनेमा के बजाय दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में हुई। 2000 के दशक की शुरुआत में माही विज संगीत वीडियो की दुनिया में भी जाना-पहचाना नाम थीं। उस दौर में उनके संगीत वीडियो काफी लोकप्रिय हुए। डीजे अकील के चर्चित रीमिक्स गीत 'तू तू है वही में उनकी मौजूदगी को उनकी शुरुआती लोकप्रिय प्रस्तुतियों में गिना जाता है। उस समय संगीत चैनलों पर यह वीडियो लगातार प्रसारित होता था और माही की खूबसूरती तथा अभिनय ने उन्हें दर्शकों के बीच पहचान दिलाने में मदद की। माही विज के करियर का सबसे अहम पड़ाव धारावाहिक 'लागी तुझसे लगन रहा। इसमें उन्होंने नकुशा का किरदार निभाया। उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया और देखते ही देखते वह टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई। नृत्य और साहसिक गतिविधियों पर आधारित रियलिटी कार्यक्रमों में भी उनकी भागीदारी रही। माही विज की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है। उन्होंने अभिनेता एवं प्रस्तोता जय भानुशाली के साथ गुपचुप तरीके से शादी की थी। दोनों के रिश्ते को लेकर लंबे समय तक प्रशंसकों और मनोरंजन जगत में चर्चा होती रही। शादी के करीब 15 साल बाद दोनों के अलग होने की खबरें सामने आईं। इस रिश्ते से उनकी एक बेटी है, जिसका नाम तारा है। माही विज ने अपने करियर के बीच परिवार को प्राथमिकता दी। मां बनने और परिवार पर ध्यान देने के लिए उन्होंने टेलीविजन से करीब नौ साल का लंबा ब्रेक लिया। इस दौरान वह मनोरंजन जगत से काफी हद तक दूर रहीं। हालांकि, अभिनय से लंबे अंतराल के बाद उन्होंने फिर वापसी की। कुछ समय पहले वह 'सहर- होने को है श्रृंखला के जरिए अभिनय की दुनिया में लौटीं। लेकिन बाद में उन्होंने यह कार्यक्रम छोड़ दिया। कार्यक्रम छोड़ने के बाद माही विज ने 'बिग बॉस 20 में प्रतियोगी के रूप में प्रवेश किया। इस तरह उन्होंने एक बार फिर रियलिटी टेलीविजन का रुख किया और दर्शकों के बीच चर्चा में आ गईं। माही अपना यूट्यूब चैनल भी चलाती हैं, जहां वह अपने जीवन और परिवार से जुड़ी सामग्री साझा करती हैं। मॉडलिंग से करियर शुरू करने वाली माही विज ने दक्षिण भारतीय सिनेमा से अभिनय की शुरुआत की, संगीत वीडियो में पहचान बनाई और फिर हिंदी टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री बनीं। 'नकुशा के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहुंचाया। परिवार के लिए नौ साल का ब्रेक लेने के बाद अब 'बिग बॉस 20 के जरिए उनकी वापसी ने उनके करियर को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।

रिया चक्रवर्ती पर टीवीएफ का दांव
जॉम्बी फिल्म कॉलेज फेस्ट में दिया सबसे बड़ा मौका

रिया चक्रवर्ती ने द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 का हिस्सा बनकर खूब चर्चा बटोरी। अब वह अपनी अगली परियोजना को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्माण द वायरल फीवर (टीवीएफ) कर रहा है। बताया जा रहा है कि यह एक जॉम्बी फिल्म है, जिसे कॉलेज फेस्ट नाम दिया गया है। इसमें रिया मुख्य किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ पुरव झा होंगे, जो द ट्रेटर्स इंडिया के पहले सीजन का हिस्सा थे। रिपोर्ट के मुताबिक, रिया और पुरव कॉलेज फेस्ट में मुख्य किरदार निभाते दिखेंगे। परियोजना पर बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, रिया और पुरव को कॉलेज फेस्ट में कास्ट किया गया है। यह टीवीएफ द्वारा निर्मित एक जॉम्बी फिल्म है और दोनों अभिनेताओं ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। यह प्रोजेक्ट कॉलेज के माहौल को जॉम्बी शैली के साथ जोड़ता है, जिससे यह आम कैंपस कहानियों से हटकर एक दिलचस्प फिल्म बन जाती है। कॉलेज फेस्ट टीवीएफ की युवा-केंद्रित कहानियों की बढ़ती वेब सीरीज में एक और परियोजना है, जो कॉलेज के परिचित परिवेश में अलौकिक मोड़ लाती है। कहानी कॉलेज छात्रों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक रहस्यमय संक्रमण के कारण जॉम्बी बन जाते हैं और उन्हें अपने कार्यों के परिणाम से जूझना पड़ता है। मशहूर यूट्यूबर आशीष चंचलानी भी इस परियोजना का हिस्सा होंगे। फिलहाल, फिल्म के बारे में अन्य विवरण और इसकी रिलीज तारीख का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

आगामी वेब सीरीज असुर सीजन 3 की शूटिंग शुरू
दर्शक कर रहे थे बेसब्री से इंतजार

अपनी आगामी वेब सीरीज असुर सीजन 3 की शूटिंग अभिनेत्री संदीपा धर ने प्रारंभ कर दी है। दर्शक इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर के अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। वेब सीरीज असुर भारत की सबसे चर्चित वेब सीरीज में से एक है। अभिनेत्री संदीपा धर ने स्वयं अपने सोशल मीडिया हैंडल, इंस्टाग्राम पर, सेट से कुछ मनमोहक तस्वीरें साझा कर अपनी नई यात्रा की शुरुआत की घोषणा की। साझा की गई तस्वीरों में, असुर 3 का क्लैपबोर्ड स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जो सीरीज की शूटिंग के आधिकारिक आगाज की पुष्टि करता है। इन तस्वीरों के साथ, संदीपा ने अपनी तैयारियों, स्क्रिप्ट रीडिंग और कुछ दृश्यों की शूटिंग से जुड़ी झलकियाँ भी दी हैं। ये तस्वीरें असुर की गहन और रहस्यमयी दुनिया की ओर इशारा करती हैं, जहाँ हर कोना एक नई पहेली को जन्म देता है और हर किरदार एक नया रहस्य समेटे होता है। अभिनेत्री ने इन बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरों के साथ कुछ रहस्यमयी और उत्सुकता बढ़ाने वाले कैप्शन भी लिखे हैं, जैसे "यह जबरदस्त होने वाला है", "नई शुरुआत" और "तूफान से पहले की शांति।" संदीपा के ये कैप्शन न केवल उनके फैंस की जिज्ञासा को बढ़ा रहे हैं, बल्कि सीरीज में उनके किरदार और कहानी में आने वाले संभावित ट्विस्ट को लेकर भी कई अटकलें पैदा कर रहे हैं। असुर सीजन 3 में एक बार फिर दर्शकों के चहेते कलाकार अरशद वारसी और बरुण सोबती अपनी मुख्य भूमिकाओं में लौट रहे हैं। उनके साथ श्वेता बसु प्रसाद और अहसास चन्ना भी इस सीजन की शानदार स्टारकास्ट का हिस्सा हैं, जो कहानी को और भी गहराई प्रदान करेंगे। गौरव शुक्ला द्वारा निर्मित यह सीरीज अपनी पौराणिक कथाओं, मनोविज्ञान और क्राइम इन्वेस्टिगेशन के अनोखे मेल के लिए विख्यात है, जिसने इसे भारत की सबसे सफल वेब सीरीज में से एक बनाया है। यह सीरीज हमेशा से ही बुराई के सार और मानव मन की जटिलताओं का पता लगाने के लिए जानी जाती है, और तीसरा सीजन भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का वादा करता है। फिलहाल, संदीपा के किरदार को लेकर विस्तृत जानकारी गोपनीय रखी गई है, लेकिन असुर जैसे जटिल और बहुपरत ब्रह्मांड में उनकी एंट्री ने पहले ही दर्शकों के मन में कई सवाल और उत्सुकता जगा दी है। उनका किरदार कहानी में क्या नया मोड़ लाएगा, क्या वह असुर की पहेली को सुलझाने में मदद करेगी या खुद एक नई पहेली बनकर उभरेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। शूटिंग के आरंभ होने और पूरी कास्ट के एक साथ आने से, तीसरे सीजन से रहस्य, रोमांच, सस्पेंस और अप्रत्याशित खुलासों से भरपूर होने की प्रबल उम्मीद है।

'वद्दी कासुला वाडा में भगवान वेंकटेश्वर की भूमिका में नजर आएंगे रवि मोहन, निर्माताओं ने जारी किया विशेष पोस्टर

तमिल सिनेमा के चर्चित अभिनेता रवि मोहन अब तेलुगु फिल्म 'वद्दी कासुला वाडा में भगवान वेंकटेश्वर की विशेष भूमिका निभाते नजर आएंगे। अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म निर्माताओं ने उनके किरदार की आधिकारिक घोषणा की। निर्माताओं ने एक विशेष पोस्टर जारी करते हुए रवि मोहन का फिल्म में भगवान गोविंदा के रूप में स्वागत किया। जारी किए गए पोस्टर में भगवान वेंकटेश्वर का हाथ एक मानव के हाथ को थामे हुए दिखाई दे रहा है। पोस्टर के साथ भक्तिभाव से जुड़ा संदेश भी साझा किया गया। निर्माताओं ने रवि मोहन के किरदार को भगवान गोविंदा के रूप में पेश करते हुए कहा कि वे हर दिल में बसते हैं। रवि मोहन के इस विशेष किरदार के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। मंचू मनोज अभिनीत यह फिल्म एक अनोखी और मनोरंजक मध्यमवर्गीय हास्य कहानी के रूप में तैयार की जा रही है। फिल्म में हास्य और भावनात्मक प्रसंगों के साथ धार्मिक एवं पौराणिक तत्वों को भी कहानी का हिस्सा बनाया गया है। निर्माताओं को उम्मीद है कि भगवान वेंकटेश्वर की भूमिका में रवि मोहन की मौजूदगी फिल्म को एक अलग पहचान देगी। उनके किरदार को फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में शामिल माना जा रहा है। 'वद्दी कासुला वाडा की कहानी लिखने के साथ निर्देशन तेज उप्पलपति कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण एके एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले रामब्रह्मम सुनकारा कर रहे हैं। फिल्म की कहानी में हास्य और भावनाओं के साथ एक अलग तरह का मनोरंजन पेश करने का प्रयास किया जा रहा है। निर्माताओं के अनुसार, कहानी का आधार मध्यमवर्गीय जीवन से जुड़ा है, लेकिन इसमें पौराणिक प्रसंगों को जिस तरह जोड़ा गया है, वह फिल्म को सामान्य हास्य फिल्मों से अलग बनाता है। रवि मोहन के लिए भी यह भूमिका खास मानी जा रही है। तमिल सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह तेलुगु सिनेमा में भगवान वेंकटेश्वर जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक किरदार के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका में प्रवेश कर रहे हैं।

इससे पहले एन.टी. रामा राव और सुमन जैसे दिग्गज अभिनेता भी भगवान वेंकटेश्वर की भूमिका निभाकर दर्शकों के बीच अपनी अलग छाप छोड़ चुके हैं। ऐसे में रवि मोहन के लिए इस भूमिका को निभाना चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ खास उपलब्धि भी माना जा रहा है। निर्माताओं की ओर से रवि मोहन के दिव्य किरदार की आधिकारिक पुष्टि के बाद फिल्म को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। एक ओर जहां फिल्म में मध्यमवर्गीय जीवन से जुड़े हास्य प्रसंग होंगे, वहीं दूसरी ओर भगवान वेंकटेश्वर का किरदार कहानी में आध्यात्मिक और पौराणिक रंग जोड़ता नजर आएगा। अब दर्शकों को फिल्म के अगले प्रचार अभियान और रवि मोहन के भगवान वेंकटेश्वर के रूप में सामने आने का इंतजार है। यदि निर्माताओं की योजना के मुताबिक हास्य, भावना और भक्ति का यह मेल प्रभावी रहा तो 'वद्दी कासुला वाडा तेलुगु सिनेमा में एक अलग तरह की मनोरंजक फिल्म के रूप में पहचान बना सकती है।

लास्ट मैन इन टावर की कहानी
आज की महिलाओं की हकीकत

अपकमिंग फिल्म लास्ट मैन इन टावर में बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता संगीता नामक एक ऐसे किरदार को जीवंत करती नजर आएंगी, जिसकी कहानी आज के समाज में कई महिलाओं की हकीकत को दर्शाती है। दिव्या ने इस किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि संगीता कोई असाधारण महिला नहीं, बल्कि हमारे आसपास मौजूद उन अनगिनत महिलाओं में से एक है, जो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इतना उलझ जाती हैं कि अक्सर अपनी खुशियों और जरूरतों को ही पीछे छोड़ देती हैं। संगीता ऊपर से तो एक सामान्य जीवन जीती हुई प्रतीत होती है, लेकिन अंदर ही अंदर वह कई तरह की परेशानियों, जिम्मेदारियों और भावनात्मक उलझनों के जाल में फंसी हुई है। यह किरदार दर्शकों को अपनी सी लगने वाली जटिलताओं से जोड़ेगा। बातचीत में दिव्या दत्ता ने अपने किरदार की गहराई पर प्रकाश डालते हुए बताया, संगीता की जिंदगी पर घर की परिस्थितियों का काफी गहरा असर पड़ा है। उसके बच्चे को विशेष देखभाल की आवश्यकता है, और पति के साथ भी उसकी बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव काफी कम हो गया है। इन सबके बीच, वह खुद भी अपनी जिंदगी और अपने व्यक्तित्व से धीरे-धीरे दूर होती चली गई है। वह अपनी जिंदगी को थोड़ा आसान और बेहतर बनाने की कोशिश करती है, लेकिन एक के बाद एक कई जिम्मेदारियां और परेशानियां उसकी इन कोशिशों में पानी फेर देती हैं।" दिव्या ने आगे कहा, घर के हालात, बच्चे की विशेष जरूरतें और पति के साथ बढ़ती दूरी जैसी चीजों ने उसकी जिंदगी को इस कदर घेर लिया है कि शायद उसे खुद भी इस बात का एहसास नहीं हुआ कि वह कब अपने आपको नजरअंदाज करने लगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक महिला के लिए ये छोटी-छोटी चीजें काफी मायने रखती हैं कि वह कैसे रहती है, खुद को कैसे देखती है, अपनी खुशियों के लिए कितना समय निकालती है ये सब उसकी जिंदगी का अहम हिस्सा होता है। हालांकि, जब रोजमर्रा की जिम्मेदारियां इतनी हावी हो जाती हैं, तो इंसान धीरे-धीरे उसी जिंदगी को अपनी आदत मान लेता है। संगीता के साथ भी कुछ ऐसा ही है – वह परेशान है, गुस्सा करती है, कमजोर महसूस करती है, लेकिन अपनी इन भावनाओं को खुलकर कहने का उसके पास कोई जरिया नहीं है। वह अंदर ही अंदर अपने आप से रोजाना एक अदृश्य लड़ाई लड़ती है। दिव्या ने यह भी बताया, संगीता के किरदार में एक उम्मीद भी छिपी है। वह एक बेहतर भविष्य की उम्मीद करती है और शायद यही उम्मीद उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। हालांकि, एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या संगीता खुद जानती है कि आखिर उसकी वास्तविक खुशी किस चीज में है? यही बात इस किरदार को और अधिक दिलचस्प और बहुआयामी बनाती है। संगीता के व्यक्तित्व में कई अलग-अलग रंग हैं और वह एक ईमानदार महिला है, जो अपनी परिस्थितियों से जूझ रही है। दिव्या दत्ता ने दर्शकों के संगीता से जुड़ने की संभावना पर बात करते हुए कहा, फिल्म में संगीता को लेकर दर्शकों की राय अलग-अलग हो सकती है।

हरकत पर राधिका आप्टे ने लगा दिया था को-स्टार को थप्पड़

अभिनेत्री राधिका आप्टे न सिर्फ हिंदी बल्कि मराठी, बंगाली, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में भी अपनी छाप छोड़ चुकी हैं। अपनी बेबाकी और स्पष्टवादिता के लिए जानी जाने वाली राधिका के करियर से जुड़े कई किस्से अक्सर चर्चा में रहते हैं। ऐसा ही एक किस्सा तब सामने आया जब उन्होंने एक फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने को-स्टार की अनुचित हरकत पर उसे सरेआम थप्पड़ जड़ दिया था, क्योंकि वह उस अभिनेता को जानती तक नहीं थीं और यह हरकत उन्हें बिलकुल बर्दाश्त नहीं हुई। राधिका आप्टे का जन्म महाराष्ट्र के पुणे शहर में हुआ था। बचपन से ही उनका झुकाव कला की तरफ था। उन्होंने करीब आठ साल तक कथक का गहन प्रशिक्षण लिया और इसी दौरान वे थिएटर से भी जुड़ गईं, जहाँ उन्होंने अभिनय की बारीकियों को सीखा। फिल्मों में राधिका की शुरुआत साल 2005 में फिल्म वाह! लाइफ हो तो ऐसी! से हुई थी, जिसके बाद उन्होंने छोटे-बड़े कई किरदार निभाए। साल 2009 की बंगाली फिल्म अंतहीन में उन्हें एक महत्वपूर्ण भूमिका मिली, जिसने उनके करियर को एक नई दिशा दी। इसके बाद रक्त चरित्र, शोर इन द सिटी, और तमिल फिल्म धोनी जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अलग-अलग भाषाओं के सिनेमा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शुरुआत में उन्हें बहुत बड़े मौके भले ही न मिले हों, लेकिन उन्होंने हर भूमिका को गंभीरता से निभाया और धीरे-धीरे अपनी जगह मजबूत करती गईं। साल 2015 राधिका के करियर के लिए बेहद खास रहा, जब बदलापुर और हंटरर जैसी फिल्मों में उनके काम को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा। इसके बाद मांझी : द माउंटेन मैन, फोबिया और पार्च्ड जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार और यादगार किरदार निभाए।

BRIFF NEWS

UP in SC: Magistrate who sent notice to student suspended

New Delhi, Agency: UP govt informed Supreme Court Thursday that it has suspended the executive magistrate who issued a peace bond notice to a second-year law student in Noida for participating in the NEET-UG paper leak student protest and clarified that the district magistrate had no role in the offending action.

This information was given by solicitor general Tushar Mehta when a counsel mentioned that the law student has filed a petition challenging the action of the executive magistrate despite clear orders from SC on Sept 1 quashing all FIRs, banning fresh FIRs and taking any coercive step against students.

The counsel said that a message must go to IAS and IPS officers on how to comply with SC orders. When the counsel repeatedly referred to the district magistrate, Mehta said: "It was some other officer, who has been suspended by govt. Let us not sensationalise the incident."

Retro looks, current jibes: Netas give '80s a new spin

New Delhi, Agency: The 80s called, I answered," quipped agriculture minister Shivraj Singh Chouhan as he posted on X a picture of him from that era. Congress Kerala posted an invented Gujarat street scene; BJP Telangana replied with a fabricated bar scene tagged "Lusiana, Italy", apparently alluding to Sonia Gandhi's birthplace.The '80s came calling, and India's politicians answered with aviators, old albums and a little swagger. Then party accounts joined the nostalgia trip, remembering to pack a few jibes for the other side.

Union commerce minister Piyush Goyal shared an AI portrait of himself in a suit and aviators, saying: "Vibing to the 80s trend". Union ports, shipping and waterways minister Sarbananda Sonowal wrote: "80s vibes: Styles fade, but the appeal is forever!" A line fit for a campaign, vintage or otherwise.

Assam CM Himanta Biswa Sarma chimed in: "Back to the 80s eh!" Telangana CM Revanth Reddy appeared beside a motorbike in his post. For a while, the competition seemed to be over who wore the decade best.

Others let their albums do the talking. Congress neta Renuka Chowdhury offered a reality check: "Me? I've got receipts." She shared what she de-scribed as an '80s Savvy magazine cover featuring herself.

Union minister Kiren Rijiju followed his AI makeover with a throwback he said needed neither AI nor ChatGPT. Congress MP Shashi Tharoor posted pictures with his sons, Ishaan and Kanishk. "I thought I'd join the trend the old-fashioned way," he wrote, a real photograph a boast of its own amid the trend built on imagining the past.

Bhoti language push: Ladakh delegation submits resolution to chief secretary

Ladakh, Agency: A delegation led by former MP Jamyang Tsering Namgyal met Ladakh chief secretary Ashish Kundra on Wednesday and submitted a joint resolution-cum-memorandum seeking the preservation, promotion and institutional development of Bhoti language and literature. The delegation also raised issues related to mother tongue and language options in the ongoing Census process.

The memorandum sought several measures to strengthen Bhoti language education and its institutional ecosystem, including the creation and filling of adequate Bhoti TGT and PGT posts in schools, strengthening the Ladakh

Academy of Arts, Culture and Languages and filling vacant posts, and setting up a UT-level Bhoti Language Development Board or Authority. It also called for a comprehensive Ladakh language policy in line with the objectives of NEP 2020 and regional branches of the Ladakh Academy under the LAHDCs.

The resolution was unanimously adopted following deliberations at a two-day national seminar on "The History of the Bhoti Language and its Role in the Preservation and Promotion of Himalayan Buddhist Culture" held at the Central Institute of Buddhist Studies (CIBS), Leh. The delegation included representatives from academic, cultural and social organisations, including Dr Sonam Wangchuk of the Ladakh Cultural Forum, Dr Urgen Dadul of the Ladakh Buddhist Association and Dr Sonam Paldan of the Culture and Language Welfare Society.

During the meeting, the delegation said Bhoti was not only a language of communication but also an important vehicle for preserving Ladakh's literary heritage, cultural identity and Himalayan Buddhist traditions. It urged the UT administration to adopt a long-term institutional framework for its preservation and wider use in education and public life. Kundra gave a positive response and assured the delegation that necessary steps would be taken at the earliest regarding the Census language issue.

FIR registered against Azam Khan, four others over Hajj land irregularities

New Delhi, Agency: An FIR has been registered against five people, including Samajwadi Party leader Azam Khan, over alleged irregularities in the use of Hajj Committee land.

The FIR has been registered under charges of fraud, criminal conspiracy and provisions of the Prevention of Corruption Act.

The Vigilance Department has named former Hajj Committee chairman Azam Khan and two former secretaries in its probe into the alleged irregularities.

The proprietor of Amish Developers and two others have also been named as accused in the case. The allegations state that regulations were bypassed during the

land sale to benefit a private firm.

A Vigilance Department probe found that the alleged irregularities caused a revenue loss of Rs 2,08,95,000 to the Hajj Committee.

Khan, a prominent Samajwadi Party leader from Rampur, was first jailed in February 2020 after surrendering in a forgery case. He was later shifted to Sitapur jail, while his wife and son, who were also booked in cases, were released earlier.

According to police records, Khan has been named as an accused in 111 criminal cases, including those related to forgery and land encroachment. Final reports have been filed in seven cases, one case resulted in his discharge, and nine were withdrawn by the Samajwadi Party government. He was convicted in six cases but has since secured bail in all of them. The remaining cases are still under trial. One of the prominent cases against Khan is the Quality Bar land case, in which he was accused of misusing his position as cabinet minister in 2013 to facilitate the allotment of land to a family member.

IRCTC case: Laundering charges framed against Lalu Prasad Yadav, kin

New Delhi, Agency: A Delhi court Thursday framed charges against RJD chief Lalu Prasad, wife Rabri Devi, their son, Tejashwi Prasad Yadav, and six others in a money laundering case linked to the alleged IRCTC hotel scam, report Koushiki Saha & Jai Narain Pandey. The case dates to Lalu's tenure as railway minister in the UPA govt (2004-09).

Special judge Vishal Gogne of Rouse Avenue Court observed that tenders for leasing two IRCTC hotels at Ranchi and Puri were

manipulated by railway officials under the "stewardship" of Lalu as he framed the charges under PMLA. The others against whom charges were framed included M/s Lara Projects, former RJD Union minister Premchand Gupta and and his wife, Sarla.

India's investment in innovation low, we need to develop our own engine for combat aircraft: Ex-DRDO head Saraswat

New Delhi, Agency: Former DRDO head and NITI Aayog member Vijay Kumar Saraswat said on Thursday that India's investment in innovation and research is very low as compared to developed countries and the govt needed to invest more on that front.

Speaking at AEDEX + AIRPORT Expo 2026 in Delhi, Saraswat, "We need to invest more in innovation and research, allow more transfer of technologies from DRDO to the Indian private sector for bulk production of critical weapons, key govt organisations should do handholding of the private sector, and govt defence organisations should open their facilities to pri-

vate sector for testing their weapons for accelerating the production of critical systems and subsystems needed for developing combat aircraft like AMCA."

India spends roughly 0.8% of its GDP on research and development, which falls short compared to major economies. Developed nations like the US, South Korea, and Israel allocate between 2.7% and 5% of their GDP toward R&D.

Global climate record: August this year joint-warmest month with July '23

New Delhi, Agency: Aug 2026 was the joint-warmest month ever recorded globally across all calendar months, on a par with July 2023, said Copernicus Climate Change Service (C3S) of the European Union's space programme on Thursday.

It noted that this Aug was 1.65° Celsius above the estimated pre-industrial (1850-1900) baseline, marking the first month above 1.5° Celsius since Nov 2025, and the period from June to Aug 2026 was the joint-warmest three-month period on record

globally, on a par with 2024. "Aug 2026 was a remarkable month in the global climate record. It was both the warmest Aug and the warmest month ever recorded," said Samantha Burgess, strategic lead for climate at European Centre for Medium-Range Weather Forecasts. Though the global average temperature rise in the month breached the limit of 1.5°C, it technically did not cross the Paris Agreement threshold, which actually refers to long-term temperature increase over decades, not over one to five years.

Under the Paris Agreement, countries agreed to keep long-term global average surface temperature well below 2°C above pre-industrial levels and pursue efforts to limit it to 1.5°C by end of century.

Nevertheless, the rise in temperatures to this level in Aug is a stark warning that the world is getting warmer, with its consequences of extreme weather events, glacier melt, sea-level rise and uneven distribution of rainfall over a short period of time being visible across the globe. "Until humanity stops burning colossal amount of coal, oil and gas, the pollution this causes will keep baking our planet, and extreme heat will keep smashing all-time records, killing millions and costing trillions, hitting transport and health systems, and pushing up prices for household basics like food," said UN Climate Change executive secretary Simon Stiell in his response to the report.

Checks on e-commerce platforms from October: FSSAI

New Delhi, Agency: Having secured nearly 2,000 convictions in food safety cases across the country, Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) is now stepping up enforcement, including holding e-commerce platforms responsible for products sold through them and proposing stricter action against high-fat, sugar and salt (HFSS) foods near schools, its CEO Rajit Punhani said Thursday.

FSSAI will begin checks on e-commerce platforms from next month. Platforms will have to carry out due diligence and ensure that products listed on them comply with food safety regulations.

"We are holding e-commerce platforms responsible. They cannot take this plea that they are just aggregators, they are just platforms. It is your responsibility, your due diligence," Punhani said. FSSAI has already held consultations with e-commerce companies. Punhani identified e-commerce and labelling as two major consumer-focused reforms expected over the next year.

The regulator has also pro-

posed restricting the sale of HFSS food within 50 metres of schools to protect children from unhealthy food. Punhani said the earlier challenge was the absence of a clear definition of HFSS food. The Indian Council of Medical Research-National Institute of Nutrition, a govt nutrition research institute, has now provided criteria that FSSAI plans to use. On enforcement, Punhani said FSSAI had suspended licences, closed establishments and launched prosecutions. Around 600 people had been arrested in criminal cases involving unsafe food in the previous six months, he said. He cited around 1,900 convictions and 33,000 notices issued across India for food safety violations, including adulteration, mislabelling and substandard food. FSSAI is also tightening rules on food claims and marketing.

IndiGo Lucknow-Dammam flight makes emergency landing in Ahmedabad after hoax bomb threat

New Delhi, Agency: An IndiGo flight from Lucknow to Dammam made an emergency landing at Ahmedabad airport on Thursday after a bomb threat was reported

onboard, news agency Media reported quoting Ahmedabad Police .

The threat was discovered after a crew member found the word 'Bomb' written on a piece of paper inside the aircraft.

There were 107 passengers and six crew members onboard the Lucknow-Dammam 6E 97 flight. All passengers and crew members were safe at Terminal 2 of the airport, police said.

Need social media firewalls, safeguards for minors: Supreme Court

New Delhi, Agency: With minors' access to social media platforms banned in many countries, Supreme Court Thursday took the first step in this regard by seeking govt's response to a PIL that said opening a social media account is akin to signing a contract - which is impermissible for a person below 18 years of age under Indian law. The plea by senior advocate H S Phoolka, on behalf of NGO Just Rights for Children Association, found resonance with a bench of CJI Surya Kant

and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana, which said there was a need for safeguards and firewalls to protect minors. Phoolka said children were at present permitted to independently create and maintain accounts on social media platforms and access digital platforms "notwithstanding their statutory incapacity to enter into a contract under Section 11 of Indian Contract Act, 1872", and said such contracts are void ab initio.

The NGO said the absence of an effective and uniform mechanism giving practical effect to such statutory incapacity in the digital environment exposed children to "foreseeable risks, including online grooming, sexual exploitation, trafficking, behavioural profiling, misuse of personal data, cyberbullying, exposure to age-inappropriate content and other harms affecting their safety, dignity, development and well-being".

It requested the court to direct govt to ensure that persons below 18 years of age are not permitted to enter into contracts with digital platforms, including social media, online gaming, content-sharing, live-streaming and other user generated content platforms. It said minors could be permitted to access lawful, educational and age-appropriate digital content through accounts maintained and controlled by their parents or guardians, subject to an appropriate regulatory